पटना ● बुधवार , 26 फरवरी 2025 मूल्यः 5:00, पृष्ठः 8 वर्षः 6 , अंकः51 www. bordernewsmirror@gmail.com 9471060219, 9470050309

BORDER NEWS MIRROR BNM to the point...

राष्ट्रीय द्विभाषिक समाचार पत्र

RNI N.- BIHBIL/2022/88070

बॉर्डर न्यूज मिरर

"खबरों से समझौता नहीं"

केंद्रीय कारा के कैदियों एवं कर्मियों ... 3 www. bordernewsmirror.com 49 साल की सुष्मिता सेन... 7

शशि थरूर ने कांग्रेस को एक बार फिर चिढ़ाया

पीयूष गोयल के साथ शेयर की फोटो,लिखा-मिलकर अच्छा लगा

नई दिल्ली (एजेंसी)। कांग्रेस सांसद शशि थरूर ने भाजपा नेता और केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल के साथ की फोटो एक्स पर शेयर की। तस्वीर में उनके साथ ब्रिटेन के ट्रेड सेक्रेटरी जोनाथन रेनॉल्ड्स भी नजर आ रहे हैं। शशि की ये पोस्ट तब सामने आई है, जब उनके और कांग्रेस पार्टी के रिश्तों में खटास की खबरें हैं। थरूर ने फोटो कैप्शन में लिखा- ब्रिटेन के बिजनेस और ट्रेड स्टेट सेक्रेटरी जोनाथन रेनॉल्ड्स के साथ उनके भारतीय समकक्ष वाणिज्य और उद्योग मंत्री पीयूष गोयल की मौजूदगी में बातचीत करके अच्छा लगा।

लंबे समय से रुकी हुई फ्री ट्रेड एग्रीमेंट (एफटीए) वार्ता फिर से शुरू हो गई है, जो बहुत स्वागत योग्य है। दरअसल, 23 फरवरी को ही शशि ने कहा था- मैं कांग्रेस में हूं, लेकिन अगर पार्टी को मेरी जरूरत नहीं है तो मेरे पास भी विकल्प मौजूद है। हालांकि थरूर ने पार्टी बदलने की अफवाहों का खंडन करते हुए कहा था कि भले ही विचारों में अंतर हो, लेकिन वह ऐसा नहीं मानते। इस बारे में जब उनसे पूछा गया तो शशि थरूर ने कहा था कि पार्टी हितों से ऊपर उठकर देश हित की बात भी कभी की जा सकती है। इसमें कुछ भी गलत नहीं है। अब शशि थरूर ने जो सेल्फी शेयर की है, उसमें उनके साथ पीयूष गोयल और ब्रिटेन के वाणिज्य मंत्री जोनाथन रेनॉल्ड्स साथ दिख रहे हैं।

छात्र के हाथ में बंधा कलावा काटा,तिलक भी मिटाया...

प्राइवेट स्कूल की इस हरकत के बाद हरियाणा के सोनीपत में बवाल

सोनीपत (एजेंसी)। हिमाचल प्रदेश के सोनीपत जिले के गांव बागडू में स्थित होली क्रॉस स्कूल में पढ़ने वाले छात्र के हाथ से कलावा काटने और तिलक मिटाने का मामला सामने आया हैं। इसके बाद हिंदू संगठनों ने सदर थाने में पहुंचकर रोष प्रदर्शन किया है। परिजनों ने गंभीर आरोप

लगाते हुए कहा कि छात्र के हाथ से कलवा काटकर और माथे से तिलक मिटाकर कहा कि इसके साथ कुत्ते जैसा व्यवहार किया जाए। फिलहाल पुलिस मामले की गंभीरता से जांच कर रही हैं। मिली जानकारी के अनुसार, सोनीपत के गांव बागडू में स्थित होली क्रॉस स्कूल में छठी क्लास में पढ़ने वाले छात्र स्कूल में हाथ में कलावा बांधकर और माथे पर तिलक लगा कर आया था। इसके बाद स्कूल में पहुंचने पर उसके हाथ से कलावा काट दिया गया।

2027 तक भारत को बनाएंगे तीसरी बड़ी अर्थव्यवस्था

एमपी के भोपाल में आयोजित ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट में बोले अमित शाह

भोपाल (एजेंसी)। केंद्रीय गृह मंत्री अमित शाह ग्लोबल इन्वेस्टर्स समिट को संबोधित कर रहे हैं। उन्होंने समिट के लिए सीएम मोहन यादव, उनकी टीम और अफसरों को बधाई दी। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा विश्वास है कि जिस तरह की कार्ययोजना सरकार ने बनाई है, इसमें से

अधिकतर एमओयू जमीन पर उतरेंगे। इससे पहले मुख्यमंत्री डॉ मोहन यादव ने कहा कि अब तक सरकार के पास 30 लाख 77000 करोड़ के निवेश का प्रस्ताव आ चुके हैं। समिट में 5000 से अधिक बी-टू-जी और 600 से अधिक कार्यक्रम हुए हैं। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय गृह मंत्री को आश्वस्त किया कि 1 साल के अंदर तीनों कानून पूरी तरह से लागू कर दिए जाएंगे। केंद्रीय गृह मंत्री ने कहा कि 10 सालों में हवाई अड्डे 74 की जगह 157 हो गए हैं। जो सेक्टर दुनिया की अर्थव्यवस्था तय करने वाले हैं, ऐसे सेक्टर का फाउंडर भारत बना है। चाहे वो एआई हो या दूसरे सेक्टर। अमित शाह ने कहा कि 10 साल में हमने बुलंद इमारत की नींव डाली है।

देश भर में आज मनेगा महाशिवरात्रि का पर्व

हर-हर महादेव के जयकारों से गूंजेंगे शिवालय

नई दिल्ली (एजेंसी)। कल बुधवार, 26 फरवरी को देश भर में महाशिवरात्रि की धूम रहेगी। भक्त भोले बाबा की भक्ति में लीन रहेंगे। मंदिरों और शिवालयों में भारी भीड़ रहेगी। हर ओर हर-हर महादेव के जयकारे सुनाई देंगे। शिवरात्रि के दिन शिव जी के साथ देवी पार्वती, गणेश जी और कार्तिकेय स्वामी का विशेष अभिषेक किया जाता है। माना जाता है कि इस पर्व पर की गई शिव पूजा से भक्त के जीवन में सुख-शांति आती है, नकारात्मकता दूर होती है और मनोकामनाएं पूरी होती हैं। जिन लोगों की कुंडली में ग्रहों से संबंधित दोष हैं, उन्हें महाशिवरात्रि पर राशि अनुसार पूजा करनी चाहिए। ऐसा करने से कुंडली के ग्रह दोषों का असर कम हो सकता है। इस दिन शिव पूजा के साथ ही शिव जी कथाएं पढ़ने-सुनने की परंपरा भी है। पूजा करने के साथ ही शिव जी की सीख को भी जीवन में उतार लेंगे तो जीवन की सभी समस्याएं खत्म हो सकती हैं। भगवान विष्णु की तरह ही शिव जी ने कई अवतार लिए हैं। भगवान ने द्वापर युग में एक अवतार अर्जुन का घमंड तोड़ने के लिए लिया था। शिवपुराण के मुताबिक भगवान शिव लिंग रूप के रूप में विष्णु-ब्रह्मा के सामने प्रकट हुए थे। उस दिन फाल्गुन मास के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि थी और रात का समय था। इसी वजह से महाशिवरात्रि पर रात में शिव पूजा करने की परंपरा है। उज्जैन के ज्योतिषाचार्य पं. मनीष शर्मा के मुताबिक, इस साल महाशिवरात्रि बुधवार को है, इस दिन ग्रहों के दुर्लभ योग भी बन रहे हैं। महाशिवरात्रि पर शुक्र अपनी उच्च राशि मीन में रहेगा।

पीएम मोदी ने एडवांटेज असम 2.0 समिट का किया उद्घाटन

बोले-राजनीतिक स्थिरता,सुशासन-सुधारों ने भारत के लिए दुनिया की उम्मीदें जगाईं

गुवाहाटी (एजेंसी)। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी दो दिन के असम दौरे पर हैं। उन्होंने मंगलवार को गुवाहाटी में एडवांटेज असम 2.0 समिट का उद्घाटन किया। यह दो दिन की इंफ्रास्ट्रक्चर और इन्वेस्टमेंट समिट है। अपने संबोधन में उन्होंने कहा- आज दुनिया का भरोसा भारत के 140 करोड़ जनता पर है। जो पॉलिटिकल स्टेबिलिटी और पॉलिटिकल कंट्यूनिटी को सपोर्ट कर रही है। पीएम ने कहा- आज भारत लोकल सप्लाई चैन को मजबूत कर रहा है। आज भारत दुनिया के अलग-अलग रीजन के साथ फ्री ट्रेड एग्रीमेंट कर रहा है। ईस्ट एशिया के साथ हमारी कनेक्टिविटी और बेहतर हो रही है। बना रहा नया इंडिया मिडिल ईस्ट-यूरोप इकोनॉमिक कॉरिडोर भी अनेक नई संभावना लेकर आ रहा है। भारत पर मजबूत होते ग्लोबल

ट्रस्ट के बीच हम सभी असम में जुटे हैं। पीएम मोदी ने कहा- 2018 में असम की इकोनॉमी 2.75 लाख करोड़ की थी। अब बढ़ गई है।

असम सेमिकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में उभरेगा: मोदी

सेमीकंडक्टर को लेकर पीएम ने कहा कि असम सेमिकंडक्टर मैन्युफैक्चरिंग के लिए एक इमोर्टेंट हब बनकर उभरेगा। हाल ही में टाटा ने असम में सेमीकंडक्टर की असेंबलिंग शुरू की है, जो पूरे उत्तर पूर्वी राज्यों में टेक्नोलॉजी विकास को बढ़ावा देगा। पीएम मोदी बोले- नॉर्थ ईस्ट की भूमि नए भविष्य की शुरुआत करने जा रही है। एडवांटेज असम पूरी दुनिया को असम से जोड़ने का अभियान है। आज जब भारत विकसित होने के कगार पर बढ़ रहा है तो एक बार फिर हमारा यह नॉर्थ इस्ट अपना ये सामर्थ्य दिखाने जा रहा है। एडवांटेज असम को मैं इसी स्पिरिट के रूप में देख रहा हूं।

सरकारी स्कूल के हॉस्टल में छात्रा ने दिया बच्चे को जन्म

- ओडिशा में मचा हड़कंप,मामले की जांच के दे दिए आदेश

मलकानगिरी (एजेंसी)। ओडिशा के मलकानगिरी जिले में हैरान करने वाला मामला सामने आया है। जिले के एक सरकारी आवासीय स्कूल के हॉस्टल में 10वीं कक्षा की एक छात्रा ने एक बच्चे को जन्म दिया है। बच्चे को जन्म देने के बाद मामले की जांच के आदेश दिए गए हैं। पुलिस ने मंगलवार को बताया कि सोमवार को बोर्ड परीक्षा देने के बाद हॉस्टल लौटने पर छात्रा ने एक बच्ची को जन्म दिया। अनुसूचित जाति एवं अनुसूचित जनजाति विकास और अल्पसंख्यक एवं पिछड़ा वर्ग कल्याण विभाग की ओर से संचालित स्कूल के प्रधानाध्यापक ने कहा कि कन्या छात्रावास में पुरुषों का प्रवेश वर्जित है। हमें नहीं पता कि छात्रा कैसे गर्भवती हुई। प्रधानाध्यापक के अनुसार, स्वास्थ्य कर्मियों को हॉस्टल में रहने वाली सभी छात्राओं की साप्ताहिक जांच करनी होती है। इस घटना से पता चलता है कि स्वास्थ्य कर्मी अपना काम ठीक से नहीं कर रही थीं।

प्रयागराज महाकुंभ: महाशिवरात्रि के महास्नान से पूर्व उमड़े करोड़ों श्रद्धालु

संख्या पहुंची 64 करोड़ पार,मेला क्षेत्र में अफसर अलर्ट

महाकुम्भ नगर (एजेंसी)। महाशिवरात्रि के अवसर पर प्रयागराज महाकुंभ मेला अपने चरम पर पहुंच चुका है। करोड़ों श्रद्धालु संगम तट पर उमड़ पड़े हैं। स्थिति ये है कि संगम में रोज सवा करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु डुबकी लगाकर शांति और मोक्ष की कामना कर रहे हैं। यही नहीं, 10 दिनों से लगातार चढ़ रहे आस्था के इस महाज्वार को देखते हुए स्वास्थ्य और सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए गए हैं। महाकुम्भ के इस दिव्य और भव्य आयोजन में महाशिवरात्रि के अंतिम महत्वपूर्ण स्नान को लेकर तैयारियां पूरी हो चुकी हैं। सीएम योगी आदित्यनाथ ने इसे लेकर विशेष निर्देश जारी किए हैं। जिसके तहत स्वास्थ्य और सुरक्षा का जिम्मा संभालने वाले टॉप के अधिकारियों को पूरे मेला क्षेत्र में 24 घंटे मुस्तैद रहने के लिए कहा गया है। जिससे श्रद्धालु निर्बाध रूप से पवित्र स्नान और धार्मिक अनुष्ठान कर सकें। महाकुम्भ में अब तक 64 करोड़ से अधिक श्रद्धालु पवित्र स्नान के सहभागी बन चुके हैं। इसे देखते हुए महाशिवरात्रि पर यह आंकड़ा 66 करोड़ के पार

हो जाने की संभावना है। सनातन धर्मावलंबी जितनी बड़ी संख्या में यहां पहुंचे हैं, उतने पूरी दुनिया में आज तक कहीं दूसरी जगह एक साथ एकत्र नहीं देखे गए। गंगा स्नान करने वाले श्रद्धालुओं का आंकड़ा सात बार दो करोड़ के पार जा चुका है। पिछले 10 दिनों से हर दिन सवा करोड़ से ज्यादा श्रद्धालु संगम में पवित्र स्नान कर रहे हैं। जिससे महाकुम्भ क्षेत्र के साथ साथ पूरे देश में भक्तिमय माहौल बना हुआ है। यहां लोगों के उत्साह का अंदाजा इसी बात से लगाया जा सकता है कि महाकुम्भ में पवित्र स्नान करने वाले श्रद्धालुओं की संख्या सात बार दो करोड़ के पार जा चुकी है। महाकुम्भ में पवित्र स्नान करने के लिए बड़ी संख्या में देश के कोने-कोने से लोग पहुंचे। यही नहीं विभिन्न देशों से प्रयागराज आने वाले विदेशी श्रद्धालुओं की भी इनमें अच्छी खासी तादात रही है।

संघ के मजदूर संगठन ने एआई पर जताई चिंता

बोला-नौकरियों पर है खतरा और बढ़ेगी गैरबराबरी

नई दिल्ली (एजेंसी)। आर्टिफिशियल इंटेलीजेंस (एआई) के बढ़ते इस्तेमाल से नौकरियों पर मंडराते खतरे को लेकर राष्ट्रीय स्वयंसेवक संघ (आरएसएस) के मजदूर संगठन भारतीय मजदूर संघ (बीएमएस) ने केंद्र सरकार को सतर्क किया है। संगठन का कहना है कि अगर एआई को बिना किसी स्पष्ट नीति के अपनाया गया तो लाखों मजदूरों की नौकरी पर खतरा बढ़ सकता है।

बीएमएस ने सरकार से अपील की है कि वह मजदूरों के लिए ट्रेनिंग और कौशल विकास की व्यवस्था करे, ताकि एआई के कारण होने वाली छंटनियों को रोका जा सके। बीएमएस ने कहा कि भारत की सप्लाई चेन इंडस्ट्री तेजी से एआई आधारित बदलावों से गुजर रही है लेकिन इसमें इंसान और एआई के सहयोग पर चर्चा नहीं हो रही। संगठन के राष्ट्रीय कार्यकारिणी सदस्य बृजेश उपाध्याय ने खासतौर पर असंगठित क्षेत्र के मजदूरों, लॉजिस्टिक्स, वेयरहाउसिंग और लास्ट-माइल डिलीवरी से जुड़े कामगारों का जिक्र किया। उनका कहना है कि एआई को प्रतिभा की कमी दूर करने का जरिया बताया जा रहा है, लेकिन यह चर्चा नहीं हो रही कि असंगठित कामगारों को इस बदलाव में कैसे शामिल किया जाएगा। उपाध्याय ने कहा,हम इस बात से गहरी चिंता में हैं कि एआई आधारित रणनीतियां सिर्फ ट्रेनिंग और औपचारिक रूप से कुशल कर्मचारियों पर केंद्रित हैं, जबकि असंगठित क्षेत्र के लाखों मजदूर इससे पूरी तरह कटे हुए हैं।

अफ्रीका से निकली एक और तबाही !

नए वायरस से फैला आतंक,चपेट में आते ही दम तोड़ रहे लोग

कांगो (एजेंसी)। इबोला और जीका जैसे जानलेवा वायरस के बाद अफ्रीका में इन दिनों एक और वायरस का आतंक फैलता दिख रहा है। सेंट्रल अफ्रीका के कॉन्गो में इस वायरस ने कुछ ही दिनों में 50 से ज्यादा लोगों की जान ले ली है। सोमवार को स्थानीय डॉक्टरों और विश्व स्वास्थ्य संगठन ने इस नई तबाही के बारे में चौंकाने वाले तथ्य पेश किए हैं। डॉक्टरों ने बताया है कि अधिकतर मामलों में लोग लक्षण दिखने के बाद सिर्फ 48 घंटे में दम तोड़ दे रहे हैं और यह स्थिति चिंताजनक है। कॉन्गो में सबसे पहले 21 जनवरी को इस वायरस का पता चला था जिसके बाद अब तक 419 लोग इसकी चपेट में आ चुके हैं। 9 फरवरी को बोमेटे शहर में रहस्यमयी मौतों की संख्या बढ़ने के बाद सैंपल को टेस्टिंग के लिए भेजा गया है। संगठन के अफ्रीका कार्यालय के मुताबिक बोलोको शहर में पहला मामला तब सामने आया जब तीन बच्चों ने एक चमगादड़ को खाया था। इसके तुरंत बाद उन्हें तेज बुखार हुआ और 48 घंटे के भीतर उनकी मौत हो गई।

असम में 50-50 हजार करोड़ इन्वेस्ट करेंगे अडाणी-अंबानी

- एयरपोर्ट, रोड प्रोजेक्ट और सीमेंट सेक्टर में होगा बड़ा निवेश ● मुकेश अंबानी बोले-एआई का मतलब असम इंटेलीजेंस होगा

गुवाहाटी (एजेंसी)। अडाणी और रिलायंस ग्रुप असम में 50-50 हजार करोड़ रुपए इन्वेस्ट करेंगे। गौतम अडाणी और मुकेश अंबानी ने गुवाहाटी में चल रहे एडवांटेज असम 2.0 समिट में इसकी घोषणा की है। अडाणी ग्रुप की कंपनियां एयरपोर्ट, ऐरो सिटी, रोड प्रोजेक्ट और सीमेंट सेक्टर में निवेश करेगी। वहीं रिलायंस इंडस्ट्री अगले 5 सालों में टेक्नोलॉजी और डिजिटल सेक्टर में इस रकम को निवेश करेगी। समिट में मुकेश अंबानी ने कहा कि 2018 के इन्वेस्टर समिट में हमने 5,000 करोड़ रुपए निवेश करने की घोषणा की थी। ये इन्वेस्टमेंट 12,000 करोड़ रुपए पार कर गया है। अब हम अगले पांच वर्षों में 50,000 करोड़ रुपए का निवेश करेंगे। मुकेश अंबानी ने कहा असम के युवा भविष्य में महत्वपूर्ण भूमिका निभाएंगे।

ट्रंप के आगे झुकने को तैयार नहीं पश्चिमी देश

यूक्रेन की ढाल बन रहा यूरोप, कीव में डाला डेरा

कीव (एजेंसी)। रूस-यूक्रेन युद्ध के बीच अंतरराष्ट्रीय राजनीति में एक नया मोड़ देखने को मिल रहा है। अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप की नीतियों से नाराज पश्चिमी देश अब उनके सामने झुकने को तैयार नहीं हैं। खासतौर पर यूरोप अब खुलकर यूक्रेन को इस संकट में मजबूत समर्थन देने के लिए आगे आ रहा है। यूरोप ने साफ कर दिया है कि वह ट्रंप के दबाव में आकर अपने हितों से समझौता नहीं करेगा। इस बीच, यूरोपीय नेताओं ने यूक्रेन की राजधानी कीव में डेरा डाल दिया है, ताकि रूस के खिलाफ यूक्रेन को मजबूत ढाल के रूप में स्थापित किया जा सके। डोनाल्ड ट्रंप ने हाल ही में रूस-यूक्रेन युद्ध को खत्म करने के लिए एकतरफा पहल शुरू की है। ट्रंप सरकार के अधिकारियों ने सऊदी अरब में रूसी अधिकारियों से मुलाकात की और अब कीव में अपने दूत भेजकर यूक्रेन पर दबाव बना रहे हैं।

संक्षिप्त समाचार

बिहार में बस से मिले 40 लाख के बंद हो चुके नोट

पटना, एजेंसी। बिहार में शराब तस्करी पर शिकंजा कसने के लिए चलाए जा रहे चेकिंग अभियान के दौरान उत्पाद पुलिस को बड़ी सफलता मिली है. बलथरी चेकपोस्ट पर एक बस की तलाशी के दौरान पुलिस ने बैग में छिपाकर रखे गए 40 लाख रुपए के पुराने नोट बरामद किए हैं. जब्त किए गए नोटों में 1000 और 500 के प्रतिबंधित नोट शामिल हैं. जिन्हें सरकार पहले ही अमान्य घोषित कर चुकी है.

होली के मद्देनजर उत्पाद विभाग और कुचायकोट थाना की टीम यूपी से बिहार आने वाले वाहनों की सख्त जांच कर रही है. इसी दौरान एक बस को रोककर तलाशी ली गई, जिसमें यात्रियों के बैग की जांच के दौरान पुराने नोटों से भरा एक बैग मिला.

सदर एसडीपीओ प्रांजल ने बताया कि बस के ड्राइवर और खलासी को हिरासत में लेकर पूछताछ की जा रही है. पुलिस यह पता लगाने की कोशिश कर रही है कि पुराने नोटों की इतनी बड़ी खेप कहां से लाई गई और इसे कहां पहुंचाया जाना था.

इस घटना ने एक बार फिर यह सवाल खड़ा कर दिया है कि नोटबंदी के इतने साल बाद भी बड़ी मात्रा में पुराने नोट कहां से आ रहे हैं? क्या यह किसी अवैध नेटवर्क का हिस्सा है, या फिर इसे किसी खास मकसद से बिहार लाया जा रहा था. फिलहाल पुलिस जब्त किए गए नोटों की जांच कर रही है और इस पूरे मामले के पीछे के मास्टरमाइंड तक पहुंचने की कोशिश में जुटी है.

भोजपुर में फॉर्च्यूनर कार की चपेट में आने से 2 लोगों की मौत

आरा, एजेंसी। भोजपुर जिले के गीधा थाना क्षेत्र अन्तर्गत आरा-पटना हाईवे पर गीधा अंडरपास के ऊपर सोमवार की सुबह तेज रफ्तार फॉर्च्यूनर कार की चपेट में आने से दो लोगों की दर्दनाक मौत हो गई।

हादसे के बाद आक्रोशित लोगों ने शव को हाईवे पर रख आरा-पटना फोरलेन को जाम कर दिया है। टक्कर इतनी जबरदस्त थी कि एक व्यक्ति अंडरपास के ऊपर से बीस फीट नीचे गिर गया। पुलिस आक्रोशित लोगों को समझाने में लगी है।

बता दें कि हादसा काले रंग की फॉर्च्यूनर कार से हुआ है। पुलिस ने कार को जब्त कर लिया है। सड़क जाम के कारण पटना -बक्सर फोरलेन पर वाहनों का परिचालन अवरूद्ध हो गया है।

मृतकों में 33 वर्षीय पप्पू कुमार रोहतास तथा 38 वर्षीय अनिल गुप्ता भभुआ जिले के बताए गए हैं। दोनों गीधा स्थित एक कंपनी में काम करते थे। सड़क पार कर गीधा प्लांट की ओर जाने के दौरान हादसा हुआ है।

सड़क पर उतरे लोग मुआवजा की मांग कर रहे हैं। सड़क जाम होने से चारों लेन जाम हो गया है। जिससे दोनों ओर से वाहनों की कतार लगी हुई हैं। पुलिस अधिकारी वहां पहुंच कर समझाने में लगे हैं।

भोजपुर में एक और हादसा हुआ है। भोजपुर जिले के पीरो थाना क्षेत्र अन्तर्गत बिहियां-बिहटा पथ पर पर्वतपुर गांव के समीप सोमवार की सुबह बालू लदे ट्रक ने एक किशोरी को कुचला दिया। जिससे किशोरी की मौत हो गई। मृतका रचना कुमारी पीरो थानान्तर्गत मोथी गांव निवासी उपेन्द्र राम की पुत्री थी, जो दसवीं कक्षा की छात्रा थी।

सोमवार की सुबह कोचिंग के लिए औझवलिया मोड़ स्थित कोचिंग सेंटर जा रही थी, तभी बालू लदे ट्रक की चपेट में आ गई। घटना के बाद आक्रोशित लोगों ने बिहटा-बिहियां पथ को जाम कर आवागमन ठप कर दिया है।

लालू-तेजस्वी को दिल्ली कोर्ट से झटका, जमीन के बदले नौकरी मामले में बढ़ी मुश्किलें

पटना, एजेंसी। जमीन के बदले नौकरी मामले में राष्ट्रीय जनता दल प्रमुख और पूर्व रेल मंत्री लालू प्रसाद और पूर्व उप मुख्यमंत्री तेजस्वी यादव को बड़ा झटका लगा है। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट ने इस मामले की सुनवाई करते हुए मंगलवार को लालू प्रसाद और तेजस्वी यादव समेत अन्य आरोपियों को समन जारी कर कोर्ट में पेश होने का आदेश दे दिया है। बता दें कि जमीन के बदले नौकरी मामले में लालू और तेजस्वी यादव समेत 78 आरोपी हैं।

मंगलवार को सुनवाई के दौरान विशेष न्यायाधीश विशाल गोगने ने केंद्रीय अन्वेषण ब्यूरो की ओर से दायर आरोप पत्र पर संज्ञान लेते हुए जमीन के बदले नौकरी मामले में लालू प्रसाद, तेजस्वी यादव के साथ मामले के अन्य आरोपियों को कोर्ट में पेश होने के आदेश दिए।

इस मामले की अगली सुनवाई 11 मार्च को संभावित है।

प्रगति यात्रा से पूर्णिया प्रमंडल में औद्योगिक क्रांति, बाढ़ से सुरक्षा के लिए भी कई सौगात

पटना/पूर्णिया, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा ने पूर्णिया प्रमंडल के लिए ऐतिहासिक विकास योजनाओं की सौगात दी है। इस यात्रा के दौरान पूर्णिया, कटिहार, किशनगंज, अररिया और भागलपुर जिलों में औद्योगिक विकास, बाढ़ सुरक्षा, और शैक्षिक सुविधाओं के विस्तार से जुड़ी कई योजनाओं की घोषणा की गई है, जिनसे इस क्षेत्र की बड़ी आबादी को सीधे लाभ मिलेगा। इन योजनाओं का मुख्य उद्देश्य क्षेत्र के औद्योगिक ढांचे को सशक्त करना, बाढ़ से सुरक्षा प्रदान करना और शैक्षिक क्षेत्र में सुधार लाना है, ताकि स्थानीय अर्थव्यवस्था को बढ़ावा मिले और लोगों की जीवनशैली में स्थायी सुधार आए।

प्रगति यात्रा के तहत, पूर्णिया प्रमंडल के विभिन्न जिलों में औद्योगिक विकास को तेज करने के लिए विशेष उपाय किए गए हैं। कटिहार और किशनगंज में नए औद्योगिक क्षेत्रों का निर्माण किया जाएगा, जहां छोटे और मध्यम उद्योगों को बढ़ावा दिया जाएगा। इसके अलावा, स्टार्टअप्स के लिए विशेष वित्तीय सहायता और प्रशिक्षण केंद्र खोले जाएंगे।

पूर्णिया और भागलपुर में औद्योगिक हब स्थापित किए जाएंगे, जो व्यापार और रोजगार के अवसरों को उत्पन्न करेंगे। इन हब्स में विभिन्न उद्योगों के लिए आवश्यक बुनियादी ढांचे का निर्माण किया जाएगा, जिससे रोजगार की

वृद्धि होगी और स्थानीय अर्थव्यवस्था को मजबूती मिलेगी।

पूर्णिया प्रमंडल के कई इलाके बाढ़ की समस्या से जूझते हैं, जिससे हर साल किसानों और स्थानीय निवासियों को भारी नुकसान होता है। इस मुद्दे का स्थायी समाधान प्रदान करने के लिए तटबंधों के निर्माण की योजना बनाई गई है।

मुख्यमंत्री ने कहा कि क्षेत्र के महत्वपूर्ण नदियों के किनारे मजबूत तटबंध बनाए जाएंगे, जो बाढ़ से सुरक्षा प्रदान करेंगे। इससे कृषि भूमि और गांवों को बाढ़ से होने वाले नुकसान से बचाया जा सकेगा। बाढ़ प्रभावित इलाकों में तटबंधों का निर्माण क्षेत्र के विकास के लिए एक महत्वपूर्ण कदम होगा, जो किसानों के जीवन को सुधारने के साथ-साथ पूरे क्षेत्र को सुरक्षित बनाएगा।

मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने पूर्णिया को एक मेडिकल कॉलेज की सौगात दी, जिससे क्षेत्र के छात्रों को उच्च चिकित्सा शिक्षा प्राप्त करने का अवसर मिलेगा और स्वास्थ्य सेवाओं की गुणवत्ता में सुधार होगा। अररिया में भी एक मेडिकल कॉलेज की स्थापना की घोषणा की गई, जो स्थानीय छात्रों को चिकित्सा क्षेत्र में अपना करियर बनाने का मौका प्रदान करेगा। इसके साथ ही, अररिया में एक खेल मैदान का निर्माण भी किया जाएगा, जो खेलों में रुचि रखने वाले युवाओं को अवसर देगा। किशनगंज को एक इंजीनियरिंग कॉलेज मिलेगा, जिससे छात्रों को तकनीकी शिक्षा के क्षेत्र में बेहतर विकल्प मिलेंगे। इसके अलावा, किशनगंज में फुटओवरब्रिज बनाने की योजना है, जो यातायात की सुविधा को बढ़ाएगा और सुरक्षा में सुधार करेगा। पूर्णिया प्रमंडल के प्रसिद्ध कामाख्या मंदिर को अब राजकीय मेला का दर्जा दिया जाएगा, जिससे इस धार्मिक स्थल पर आने वाले श्रद्धालुओं के लिए बेहतर सुविधाएं उपलब्ध होंगी और क्षेत्रीय पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। मुख्यमंत्री नीतीश कुमार ने कहा कि सरकार बिहार के हर जिले में समावेशी और सतत विकास को प्राथमिकता दे रही है। औद्योगिक विकास, तटबंध निर्माण, और शैक्षिक क्षेत्र में सुधार के जरिए पूर्णिया प्रमंडल की सामाजिक और आर्थिक स्थिति में व्यापक सुधार होगा और बिहार का सपना आत्मनिर्भर राज्य बनने का साकार होगा।

इन योजनाओं के प्रभावी क्रियान्वयन से पूर्णिया प्रमंडल के तीन करोड़ से अधिक लोग सीधे लाभान्वित होंगे। क्षेत्र में औद्योगिक गतिविधियों के विस्तार से रोजगार के अवसर बढ़ेंगे, बाढ़ से सुरक्षा के कारण स्थानीय अर्थव्यवस्था को स्थिरता मिलेगी, और शैक्षिक संस्थानों के निर्माण से युवाओं को बेहतर शिक्षा प्राप्त होगी।

प्रगति यात्रा के दौरान मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं को जमीन पर उतारने के लिए तेजी से काम हो रहा है। कई योजनाओं को कैबिनेट से स्वीकृति भी मिल चुकी है। प्रशासनिक अधिकारियों को कार्यों की नियमित निगरानी और निष्पादन की जिम्मेदारी सौंपी गई है, जिससे पारदर्शिता बनी रहे और योजनाएं समय पर पूरी हों। साफ है कि इन योजनाओं के सफल कार्यान्वयन से पूर्णिया प्रमंडल औद्योगिक समृद्धि, स्थायी बाढ़ सुरक्षा और शैक्षिक प्रगति की नई ऊंचाइयों को छुएगा। क्षेत्र के नागरिकों का जीवन स्तर सुधरेगा और बिहार एक सशक्त, आत्मनिर्भर और प्रगतिशील राज्य के रूप में उभरेगा।

तेजप्रताप यादव के ऑफर का नीतीश कुमार के बेटे ने दिया जवाब, पीएम मोदी पर भी बोले निशांत

पटना, एजेंसी। बिहार के मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के पुत्र निशांत इन दिनों सुर्खियों में बने हुए हैं. सियासत में उनकी एंट्री को लेकर तरह-तरह के कयास लगाए जा रहे हैं. इस बीच मंगलवार को अपनी मां मंजू कुमारी सिन्हा की जयंती पर निशांत भावुक दिखे. सोमवार को भागलपुर में आयोजित जनसभा में पीएम मोदी के द्वारा अपने पिता नीतीश कुमार की तारीफ किए जाने पर निशांत ने प्रतिक्रिया दी. उन्होंने नीतीश कुमार के कामों की तारीफ की और एनडीए को जीत दिलाने की अपील की. वहीं तेजप्रताप यादव के द्वारा राजद ज्वाइन करने के ऑफर पर भी बोले.

मीडिया से बातचीत के दौरान जब निशांत से यह

सवाल किया गया कि तेजप्रताप यादव ने कहा है कि निशांत काफी यंग हैं और उन्हें राजद ज्वाइन कर लेना चाहिए तो इस सवाल को सुनकर नीतीश कुमार के पुत्र मुस्कुराए. निशांत ने कहा- 'जनता के दरबार में चलते हैं. वो बताएंगे कि क्या करना है. कौन क्या कह रहा है ये जनता देखेगी.'

वहीं जब निशांत से पूछा गया कि अगर जनता चाहेगी तो क्या आप राजनीति में आएंगे. तो इस सवाल को टालते हुए वो आगे बढ़ गए. वहीं पीएम मोदी के द्वारा नीतीश कुमार को लाडला मुख्यमंत्री कहे जाने पर निशांत ने कहा कि वो गठबंधन में हैं तो कहेंगे ही. नीतीश कुमार के कामों की तारीफ करते हुए निशांत ने एनडीए के लिए वोट करने की अपील की.

निशांत ने कहा कि पिछली बार 43 सीट दे दिया उसके बाद भी उन्होंने विकास कार्य को जारी रखा. इसबार सीट बढ़ाना जरूरी है ताकि आगे भी विकास हो. युवाओं व उम्र के हर तबके के लोगों को वोट करने की अपील निशांत ने की. पार्टी कार्यकर्ताओं से अपील करते हुए कहा कि जनता को जाकर काम बताएं. ताकि उन्हें पता चले कि क्या काम हुआ है.

वहीं मंगलवार को निशांत ने अपनी दिवंगत मां को याद करते हुए कहा-' आज मेरी मां का जन्मतिथि है. वो हमारे बीच नहीं हैं. इसबात का दुख है. वो जहां हैं खुशी से रहें और मुझपर अपना आशीर्वाद बनाए रखे.'

पश्चिम बंगाल से बाइक लेकर महाकुंभ स्नान करने गए दो युवक, लौटने के दौरान बिहार में हो गया बड़ा हादसा

औरंगाबाद, एजेंसी। पश्चिम बंगाल से दो युवक बाइक पर सवार होकर महाकुंभ स्नान करने के लिए प्रयागराज के सफर पर निकल गया. महाकुंभ मेले से लौटने के दौरान बिहार में दोनों हादसे का शिकार बन गए. औरंगाबाद में उनकी बाइक का चक्का फंस गया और मोटरसाइकिल अनियंत्रित होकर पलट गयी. जिससे दोनों युवक जख्मी हो गए. आसपास के लोगों ने दोनों को जख्मी हालत में उठाकर नजदीकी अस्पताल पहुंचाया.

औरंगाबाद में राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर बारुण थाना क्षेत्र के प्रीतमपुर मोड़ स्थित होटल आकाशगंगा के पास एक तेज रफ्तार अनियंत्रित टूरिस्ट की बाइक का चक्का अचानक फंस गया, जिससे बाइक अनियंत्रित होकर पलट गया. इस घटना में बाइक सवार दोनों टूरिस्ट गंभीर रूप से घायल हो गए. घायलों में पश्चिम बंगाल के बौरमपुर मुर्शिदाबाद निवासी पवन साह के 25 वर्षीय पुत्र प्रीतम साह व तमनोई चांद्रो बिस्सास के 23 वर्षीय पुत्र सुभाष चांद्रो बिस्सास शामिल है.

सदर अस्पताल में इलाज के दौरान घायल प्रीतम ने बताया कि वह अपने गांव से सुभाष के साथ बाइक पर सवार होकर उत्तर प्रदेश के प्रयागराज स्थित महाकुंभ मेले में संगम स्नान करने गया था. दोनों ने बाइक से ही पश्चिम बंगाल से प्रयागराज तक का सफर किया. इसके बाद दोनों कुंभ स्नान कर वापस बाइक से ही घर लौट रहे

थे. जैसे ही दोनों राष्ट्रीय राजमार्ग 19 पर बारुण थाना क्षेत्र के प्रीतमपुर मोड़ स्थित होटल आकाशगंगा के समीप पहुंचे, तभी अचानक बाइक का चक्का जाम हो गया. इसके बाद बाइक अनियंत्रित होकर पलट गयी. इस घटना में दोनों गंभीर रूप से घायल हो गए.

घटना के बाद घटनास्थल पर स्थानीय लोगों की भीड़ जुट गई. स्थानीय लोगों ने दोनों घायलों को इलाज के लिए सदर अस्पताल पहुंचाया, जहां डॉक्टरों ने उपचार किया. इधर दुर्घटना की सूचना पर साथ रहे अन्य श्रद्धालु भी सदर अस्पताल पहुंचे और दोनों घायल का हाल जाना. फिलहाल दोनों की स्थिति खतरे से बाहर बताई जा रही है.

'मैंने फोन चेक किया तोज', प्रधानमंत्री मोदी के जाते ही बिहार के किसानों ने बता दी पीएम किसान योजना की सच्चाई

भागलपुर, एजेंसी। पीएम मोदी सोमवार को बिहार के भागलपुर दौरे पर थे. प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने भागलपुर की धरती से पीएम किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त जारी की. इसको लेकर प्रधानमंत्री मोदी ने अपने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट शेयर किया. उन्होंने पोस्ट में लिखा, ÷आज अपने किसान भाई-बहनों के लिए पीएम-किसान सम्मान निधि की 19वीं किस्त जारी करने का सौभाग्य मिला. मुझे बहुत संतोष है कि यह योजना देशभर के हमारे छोटे किसानों के बहुत काम आ रही है.÷

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना की 19वीं किस्त जारी किये जान पर बिहार के किसानों ने प्रधानमंत्री मोदी का आभार जताया है. न्यूज एजेंसी आईएएनएस से बात करते हुए कुछ किसानों ने इस योजना की सच्चाई बताई. किसान सीताराम मंडल ने कहा, ÷यह योजना बहुत अच्छी है, और इसमें कोई हेराफेरी नहीं की गई है.÷ किसान ने आगे कहा कि पैसा

सीधे किसानों के खातों में जमा किया जाता है, जिससे किसानों को काफी लाभ होता है. यह योजना अच्छी तरह से काम कर रही है और समय-समय पर पैसा हमारे खातों में जमा हो जाता है. पहले की सरकारों में इस तरह की योजना नहीं थी, जिसकी वजह से काफी दिक्कतों का सामना करना पड़ता था. कर्ज लेकर खेती करनी पड़ती थी. वहीं एक और किसान भूपाल सिंह ने इस योजना को सराहते हुए कहा, ÷मैं यहां पीएम मोदी का भाषण सुनने आया था, जिसे सुनकर मुझे अच्छा लगा. वहीं, मैंने अपना फोन चेक किया तो देखा कि किसान सम्मान निधि योजना का पैसा क्रेडिट हो गया है. मैं पीएम मोदी का बहुत-बहुत धन्यवाद करता हूं.÷

प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना के तहत किसानों को सालाना 6,000 रुपये की वित्तीय सहायता दी जाती है. यह राशि प्रत्येक चार महीने में 2,000 रुपये की किस्त के रूप में सीधे किसानों के बैंक खातों में पहुंचती है. इस सहायता से किसान बीज, खाद और अन्य कृषि जरूरतें पूरी कर पाते हैं. केंद्रीय कृषि मंत्री शिवराज सिंह चौहान के अनुसार, 18वीं किस्त के दौरान 9.6 करोड़ किसानों को लाभ मिला था. जबकि 19वीं किस्त में यह संख्या बढ़कर 9.8 करोड़ हो गई है. इससे साफ है कि योजना का दायरा लगातार बढ़ रहा है और अधिक किसान इसका लाभ उठा रहे हैं.

भागलपुर में खेत में मिली तांत्रिक की लाश, पास में पड़ा था झाड़-फूंक का सामान, बेटे ने लगाया हत्या का आरोप

भागलपुर, एजेंसी। भागलपुर के पीरपैंती में एक शव मिलने से सनसनी फैली है. परशुरामपुर के चौखंडी निवासी मननी मंडल(75) का शव उसके घर से महज दो सौ मीटर दूर खेत में मिला है. मृतक मननी मंडल पेशे तांत्रिक थे,जो गांव सहित आसपास के गांवों में लोगो का झाड़-फूंक करते थे.सोमवार की देर रात खाना खाकर वो घर में सोए थे. मंगलवार की सुबह खेत में मननी मंडल का शव मिला. पुलिस मामले की जांच कर रही है.

मंगलवार की सुबह छह बजे जब घर में मृतक मननी मंडल नहीं मिले तो उनकी पत्नी चनिया देवी अपने बेटे और पोते के साथ मिलकर मननी मंडल की खोज में निकले. सभी लोग उसे घर के आसपास खोजने लगे.खोजबीन के दौरान घर से महज दो सौ मीटर की दूरी पर बांस बिट्ठा में पुत्र पवन कुमार और पोता सन्नी कुमार ने जमीन पर मननी मंडल को गिरा पड़ा देखा. मननी मंडल को उसी हालत में गोद में उठाकर सब घर लेकर आए. लेकिन उनकी मौत हो चुकी थी. मृतक ने घटना स्थल पर उल्टी भी किया था,उनके कान से खून आ रहा था.

घटनास्थल पर मिली झाड़-फूंक से जुड़ी सामग्री

घटनास्थल पर अरवा चावल,अगरबत्ती,सलाई और बर्तन पड़ा मिला. जिससे प्रतीत होता है कि मृतक घटना स्थल पर झाड़-फूक कर रहे थे.मृतक के पुत्र ने घटना की सूचना पीरपैंती थानाध्यक्ष नीरज कुमार को दी. पुलिस ने घटना स्थल पर पहुंचकर घटना की छानबीन की और मृतक के परिजन और गांव वालों से जानकारी प्राप्त की.

मृतक के बेटे ने लगाया हत्या का आरोप

मृतक के पुत्र पवन कुमार ने आरोप लगाते हुए बताया कि रात 11 बजे गांव के बेचन मंडल की पत्नी आशा देवी मेरे पिता को बुलाकर घर के पास बांस के बिट्ठा में लेकर गई थी. मृतक के पुत्र ने बताया कि रात जब हम शौच करने जगे तो घर में पिता को नहीं देखा तो लगा बाहर सोए होंगे. बांस बिट्ठा में पहले से ही जोगिंदर मंडल और बुचो मंडल मौजूद थे.

लैंड फॉर जॉब मामले में नई कार्रवाई, लालू परिवार को 11 मार्च को पेश होने का नोटिस

पटना, एजेंसी। दिल्ली की राउज एवेन्यू कोर्ट में मंगलवार को लैंड फॉर जॉब्स मामले में कोर्ट ने महत्वपूर्ण कदम उठाया है. सीबीआई द्वारा दायर फाइनल चार्जशीट पर विचार करते हुए लालू यादव, उनके बड़े बेटे तेजप्रताप और बेटी हेमा यादव समेत अन्य आरोपियों को 11 मार्च को अदालत में उपस्थित होने का आदेश जारी किया है.

इस केस में कुल 79 व्यक्तियों के खिलाफ चार्जशीट दायर की गई है. जिसमें 30 लोक सेवक शामिल हैं. पहले से ही मामले का फैसला सुरक्षित रख लिया गया था, लेकिन आज की कार्यवाही ने मामले में नया मोड़ ला दिया है.

सीबीआई ने यह भी बताया कि रेलवे बोर्ड के अधिकारी आर. के. महाजन के खिलाफ केस की अनुमति मिल गई है और उनके खिलाफ गवाहों की सूची भी तैयार कर ली गई है. इससे पहले, 16 जनवरी को अदालत ने चेतावनी दी थी कि यदि 30 जनवरी तक महाजन के खिलाफ आवश्यक स्वीकृति नहीं मिलती है, तो संबंधित अधिकारी को स्पष्टीकरण देना होगा. जनवरी 2024 में मामले की गहन पूछताछ के दौरान, श्रेष्ठ की दिल्ली और पटना टीम ने लालू और तेजस्वी से लंबी पूछताछ की. 20 जनवरी को लालू से 50 से अधिक सवाल पूछे गए, जिनके अधिकांश उत्तर केवल 'हां' या 'ना' में रहे. पूछताछ के दौरान लालू प्रसाद के झल्लाने के भी संकेत मिले, जबकि तेजस्वी से 30 जनवरी को लगभग 10-11 घंटे तक पूछताछ जारी रही.

बिहार में 100 करोड़ से ऐतिहासिक मंदिरों और धरोहरों का होगा विकास

पटना, एजेंसी। बिहार सरकार ने राज्य में पर्यटन को बढ़ावा देने के लिए कई बड़े कदम उठाए हैं. राज्य के पर्यटन एवं उद्योग मंत्री नीतीश मिश्रा ने इस संबंध में जानकारी दी कि सीएम नीतीश कुमार की प्रगति यात्रा के दौरान की गई घोषणा के तहत 8 प्रमुख पर्यटन स्थलों के विकास को मंजूरी दी गई है. इन परियोजनाओं पर कुल 100 करोड़ रुपये से अधिक की राशि खर्च की जाएगी, जिससे पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा और रोजगार के अवसर भी पैदा होंगे.

पर्यटन विभाग द्वारा जिन स्थानों के विकास को मंजूरी दी गई है. उनमें पटना, भोजपुर, मुंगेर, लखीसराय, शेखपुरा और जमुई जिले में स्थित धार्मिक और ऐतिहासिक महत्व वाले स्थान ज्यादा हैं.

इन परियोजनाओं को मिली मंजूरी

मुंगेर के ऋषि कुंड को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जाएगा. इस योजना की अनुमानित लागत 21 करोड़ 10 लाख रुपये से अधिक है.

शेखपुरा के बरबीघा में सामस विष्णुधाम मंदिर क्षेत्र को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जाएगा. इस योजना की अनुमानित लागत करीब 14 करोड़ 99 लाख रुपये होगी.

पटना जिले के दुल्हिन बाजार स्थित उलार सूर्य मंदिर को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जाएगा. इस पर 14 करोड़ 98 लाख रुपये खर्च किए जाएंगे.

भोजपुर के तरारी प्रखंड अंतर्गत देव गांव स्थित सूर्य मंदिर परिसर को 14 करोड़ 78 लाख 88 हजार रुपये की अनुमानित लागत से विकसित किया जाएगा.

पटना साहिब स्थित मंगल तालाब को पर्यटन की दृष्टि से विकसित करने के लिए 14 करोड़ 05 लाख 37 हजार रुपये की अनुमानित लागत को मंजूरी दी गई है.

पटना के बाढ़ स्थित उमानाथ मंदिर परिसर में पर्यटक सुविधाओं का विकास किया जाएगा. इस पर अनुमानित लागत 13 करोड़ 89 लाख 79 हजार रुपये होगी.

जमुई के पतनेश्वर धाम को पर्यटन की दृष्टि से विकसित किया जाएगा. इसके लिए 9 करोड़ 89 लाख 30 हजार रुपए खर्च किए जाएंगे.

लखीसराय के सतसंडा पहाड़ी पर पर्यटक सुविधाओं के विकास के लिए अनुमानित लागत 6 करोड़ 83 लाख 10 हजार रुपए होगी.

केंद्रीय कारा के कैदियों एवं कर्मियों को खिलाई गयी सर्वजन दवा

» हाथी पाँव से बचाव के लिए जरूरी है सर्वजन दवाः डीभीडीसीओ

847 कैदियों और जेलकर्मियों को हाथी पांव से बचाव को खिलाई गई दवा

बीएनएम। मोतिहारी

फाइलेरिया उन्मूलन के लिए जिले के सभी 27 प्रखंडों में मास ड्रग एडमिनिस्ट्रेशन (एमडीए) अभियान चलाया जा रहा है। इस क्रम में मंगलवार को केंद्रीय कारा मोतिहारी में 847 कैदियों एवं कर्मचारियों को फाइलेरिया (हाथी पाँव) से बचाव को सर्वजन दवा का सेवन कराया गया। मौके पर नोडल चिकित्सा पदाधिकारी डॉ शिवम एवं डॉ कोज़ी स्वेता के देखरेख में स्वास्थ्य विभाग की टीम द्वारा महिला व पुरुष कैदियों को उम्र अनुसार निर्धारित डोज के अनुसार दवा खिलाई गई। मौके पर डॉ कोज़ी श्वेता ने कहा कि फाइलेरिया जैसे गम्भीर रोग से बचाव के लिए सर्वजन दवा का सेवन जरूरी है। सर्वजन दवा का सेवन कर अब जिले के कैदी सुरक्षित हो गए हैं। उन्होंने कहा कि लगातार पांच साल तक फाइलेरिया की दवा खाने के बाद किसी के शरीर में फाइलेरिया के परजीवी होते भी हैं तो वह समाप्त हो जाते हैं।

फाइलेरिया से बचाव को खिलाई जा रहीं है डीईसी और अल्बेण्डाजोल की गोलीः- डीभीबीडीसीओ डॉ शरत चंद्र शर्मा ने बताया कि फाइलेरिया मादा क्यूलेक्स मछड़ के काटने से होने वाला रोग है जिससे बचाव के लिए राज्य सरकार 10 फ़रवरी से सर्वजन दवा का सेवन 02 वर्ष से ऊपर के सभी स्वस्थ लोगों को करवा रहीं है। यह दवा पूरी तरह सुरक्षित है फिर भी किसी किसी को, जो संक्रमित है, हल्का सा चक्कर आना, उल्टी या पेट दर्द हो सकते हैं जो दवाओं के कृमि पर असर होने के कारण होता है और थोड़ी देर आराम करने से स्वतः ठीक हो जाते हैं। फिर भी इससे निबटने हेतु सभी प्रखंडों मे रैपिड रेस्पांस टीम गठित है। केवल ध्यान रखें कि दवा भोजन के बाद ही खायें, यह दवा गर्भवती महिलाओ, गंभीर बीमार लोगों को नहीं खिलाई जाएगी। इस मौके पर नोडल चिकित्सा पदाधिकारी डॉ शिवम एवं डॉ कोज़ी स्वेता, आशा लीला देवी, रितु देवी,पिरामल से सुमित कुमार, डब्लूएचओ से रमेश कुमार, यूनिसेफ़ से सुमित कुमार गुप्ता व अन्य स्वास्थ्य कर्मी उपस्थित थे।

संक्षिप्त समाचार

पुलिस सप्ताह के दौरान खेल प्रतियोगिता का आयोजन

बीएनएम। मोतिहारी। जिले में पुलिस सप्ताह दिवस के अवसर पर पुलिस और पत्रकारों के बीच विभिन्न खेल प्रतियोगिताओं का आयोजन पुलिस केंद्र के मैदान में किया गया। प्रतियोगिता में फुटबॉल, क्रिकेट और वॉलीबॉल के रोमांचक मैच खेले गए,जिसमे दोनो ओर के खिलाड़ियों ने दमदार प्रदर्शन किया।फुटबॉल मुकाबले में पत्रकार एकादश ने शानदार खेल का प्रदर्शन करते हुए एक गोल से जीत दर्ज की। जबकि क्रिकेट और वॉलीबॉल में पुलिस टीम ने बाजी मारी। प्रतियोगिताओं को सकारात्मक बताते हुए समापन पर पुलिस केन्द्र के डीएसपी चितरंजन प्रसाद ठाकुर ने सभी खिलाड़ियों को मेडल देकर सम्मानित किया। साथ ही विजेता और उपविजेता टीमों के कप्तानों को ट्रॉफी प्रदान की गई। उल्लेखनीय है,कि पुलिस सप्ताह 22 से 27 फरवरी तक मनाया जा रहा है। जिसमे अपराध के विरूद्ध जागरूकता अभियान चलाया जा रहा है।इसको लेकर विभिन्न स्थानो पर प्रभातफेरी व स्वच्छता अभियान भी चलाया गया।साथ ही रक्तदान शिविर का आयोजन कर रक्त संग्रह भी किया गया।

संदिग्ध अवस्था में नवविवाहित महिला की मौत

बीएनएम। तुरकौलिया। थाना क्षेत्र अंतर्गत माधोपुर मधुमालत वार्ड नंबर 8 में एक नवविवाहित महिला की मौत संदिग्ध स्तिथि में हो गई है। मृतक का शव घर के बरामदे सेमृतिका की शादी करीब दो माह पूर्व हुई थी। मृतिका तंसरिया गांव के इरशाद आलम की पत्नी गुलिस्तां है। मौत की सूचना मिलते ही नवविवाहिता के मायके वाले पहूंचे। उसका शव बरामदे में पड़ा हुआ था। जिसके बाद सभी वही रोने लगे। घटना के बारे में जानकारी जुटाने लगे। इसको लेकर दोनों पक्ष आपस मे बैठ घटना की जानकारी लेते रहे। इतने में इसकी सूचना पुलिस को लगी। पुलिस सूचना पर पहूंच मामले की जांच किया। मृतिका के सर के पीछे व हाथ मे चोट के निशान थे। थानाध्यक्ष सुनील कुमार ने बताया कि पोस्टमार्टम होने के बाद ही पता चल पायेगा की घटना कैसे हुई है।

एमएस कॉलेज के राजनीति विज्ञान विभाग के छात्र धर्मेंद्र को यूजीसी नेट की परीक्षा में मिली सफलता

बीएनएम। मोतिहारी। विश्वविद्यालय अनुदान आयोग द्वारा दिसंबर माह में आयोजित यूजीसी-नेट की परीक्षा का परिणाम जारी किया गया। राष्ट्रीय पात्रता परीक्षा या यूजीसी नेट भारत में एक राष्ट्रीय पात्रता प्रवेश परीक्षा है। ये स्नातकोत्तर प्रतियोगियों के लिये विश्वविद्यालयों में शिक्षण प्रवेश हेतु अर्हक परीक्षा होती है।मुंशी सिंह महाविद्यालय के स्नातकोत्तर राजनीति विज्ञान विभाग के छात्र रहे धर्मेंद्र कुमार ने यूजीसी-नेट की परीक्षा में सफलता अर्जित की है । धर्मेंद्र ने 300 अंक की इस परीक्षा में 196 अंक प्राप्त कर यह सफलता हासिल की है । श्री कमल कुमार और सुगापति देवी के सुपुत्र धर्मेंद्र कुमार, ग्राम-पुंदर, पोस्ट- बाजितपुर, पूर्वी चम्पारण के रहने वाले हैं। धर्मेंद्र ने अपनी इस सफलता का श्रेय राजनीति विज्ञान विभाग के विभागाध्यक्ष डॉ. पवन कुमार, डॉ. अमित कुमार और अपने माता-पिता को दिया है । महाविद्यालय के प्राचार्य प्रो. मृगेंद्र कुमार ने भी छात्र को बधाई देते हुए उसके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है । राजनीति विज्ञान विभाग के शिक्षकों ने भी धर्मेंद्र की इस सफलता पर उसे बधाई और शुभकामनाएँ दी है।

छात्र- छात्राओं को मानसिक और शारिरिक रूप से स्वस्थ रहने के दिए गए टिप्स

बीएनएम। मोतिहारी। खेमचंद ताराचंद महाविद्यालय रक्सौल में खेल प्रशिक्षक आरंभ हुआ । एसएसबी रक्सौल के चार पुरुष तथा दो महिलाएं जवान प्रशिक्षक को द्वारा छात्र- छात्राओं को मानसिक और शारिरिक रूप से स्वस्थ रहने के टिप्स दिए गए। खेल प्रशिक्षण प्रारम्भ करने से पहले सभी प्रतियोगियों को वॉर्म अप करने का प्रशिक्षण दिया गया। कड़ी धूप को देखते हुए प्रशिक्षण का समय 11:00 बजे पूर्वाहन की जगह 8:30 बजे सुबह कर दिया गया है। प्रशिक्षण में शामिल प्रतिभागी छात्र- छात्राओं में काफी उत्साह देखा गया। इस अवसर पर प्राचार्य प्रो. डॉ संत साह, खेल पदाधिकारी डॉ शफ़ीउल्लाह, डॉ सुनीता कुमारी, डॉ प्रेम प्रकाश,डॉ ओम प्रकाश, डॉ हजारी प्रसाद, डॉ प्रकाश चंद्र, डॉ कृष्णा कुमार सिंह, शर्मा जी बड़ा बाबू, कुमार अमित एकाउंट, रोहित कुमार, संतोष कुमार, नीरज कुमार, शशि भूषण तिवारी, उदय प्रकाश, विवेक कुशवाहा, उज्जवल कुमार सहित दर्जनों छात्र छात्राएं उपस्थित रहें।

प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए बालिका कबड्डी टीम रवाना

बीएनएम। मोतिहारी

बिहार राज्य कबड्डी संघ के तत्वावधान में सिवान जिला कबड्डी संघ द्वारा 22वीं बिहार राज्य सब जूनियर बालिका कबड्डी प्रतियोगिता का आयोजन राजकीय उत्क्रमित मध्य विद्यालय जीरादेई सिवान में दिनांक 26 से 28 फरवरी 2025 तक किया जा रहा हैं। इस प्रतियोगिता में बिहार के सभी जिला की बालिका टीमें भाग लेंगे। प्रतियोगिता में भाग लेने के लिए पूर्वी चंपारण की टीम मंगलवार को रवाना हो गयी जिसमें नीलू कुमारी, सीमा कुमारी, लक्ष्मी कुमारी, रुखसाना खातून, सजमा खातून, स्वेता कुमारी, स्वीटी कुमारी, पूनम कुमारी, दीपावली कुमारी, शिल्पी कुमारी, अवंतिका कुमारी, कुमारी शमी, आरुषि राज शामिल हैं। टीम कोच अंशु यादव व टीम प्रबंधक पिंकी देवी टीम के साथ गए हैं। सचिव भानू प्रकाश ने बताया कि खिलाड़ी बेहतर प्रदर्शन कर अपना व जिले का नाम रौशन करेंगे।टीम के अच्छे प्रदर्शन के लिए खिलाड़ियों को शुभकामनाएं प्रो.डॉ. कर्मात्मा पाण्डेय, मुन्ना गिरी, अमित सर, शैलेन्द्र मिश्र बाबा, कुंदन कुमार आर्य, रजनीश कुमार, टिंकू जी, अरुण सर, पूर्णिमा यादव, ज्योति कुमारी इत्यादि ने दी।

स्टेट बार काउंसिल पटना बिहार के आह्वान पर एक दिवसीय कलम बंद सांकेतिक हड़ताल

बीएनएम। चकिया

केंद्र सरकार द्वारा अधिवक्ताओं के खिलाफ लिए गए संशोधन विधेयक का अनुमंडल के अधिवक्ताओं ने जमकर विरोध किया। स्टेट बार काउंसिल पटना बिहार के आह्वान पर मंगलवार को अनुमंडलीय परिसर में बैठने वाले अधिवक्ताओं ने एक दिवसीय कलम बंद सांकेतिक हड़ताल किया। वहीं अपने को न्यायिक कार्यों से अलग रखा जिस कारण नायक कार्यों के लिए दूर दराज से आने वाले जरूरतमंद लोगों को बीना कार्य कराये वापस लौटना पड़ा। एक दिवसीय सांकेतिक हड़ताल का नेतृत्व कर रहे अनुमंडलीय न्यायिक संघ के अध्यक्ष देव नारायण पांडे ने कहा कि सरकार अधिवक्ता विरोधी विधायक वापस नहीं लेती है तो आगे संगठन के बैनर तले चरणबद्ध आंदोलन को अधिवक्ता बाध्य होंगे। मौके पर अनुमंडल अधिवक्ता संघ के मनोज कुमार सिंह व सुरेश प्रसाद,त्रिवेणी प्रसाद सिंह,केशव कुमार,नरेश श्रीवास्तव,अमरेंद्र पांडेय, इंद्रभूषण प्रसाद, लालबाबू प्रसाद यादव, राजेश कुमार,उमेश्वर सिंह,सच्चिदानंद सिंह,अरुण कुमार पांडेय,कले फिरदौस, उमेश भगत,विनय सिंह,सुनील कुमार, राजकुमार राम,मनोहर सिंह,तरुण कुमार, खुर्शीद आलम सहित अन्य मौजूद थे। वहीं न्यायिक कार्यों के लिए आए समाज सेवी बाबूनंद शर्मा,अमरेंद्र कुमार,सुधांशु,राहुल कुमार,वीरेंद्र कुमार,मीना देवी आदि ने बताया कि न्यायिक जरूरत से यहां आए थे परंतु अधिवक्ताओं के हड़ताल के कारण बिना काम कराय लौटना पड़ रहा है। आने-जाने में समय व राशि की भी क्षति हुई है।

ईनामी अपराधी ने पुलिस दबिश के चलते न्यायालय में किया आत्मसमर्पण

बीएनएम। सिकरहना

ढाका थाना में दर्ज कांड संख्या 510/21 के तहत धारा 395 भा.द.वि. (डकैती) के आरोपी रजत कुमार उर्फ छोटू ने पुलिस के बढ़ते दबाव के कारण आज माननीय न्यायालय में आत्मसमर्पण कर दिया। अभियुक्त पर 30,000 रुपये का इनाम घोषित था और पुलिस लंबे समय से उसकी तलाश कर रही थी। पुलिस सूत्रों के अनुसार, रजत कुमार उर्फ छोटू ढाका थाना क्षेत्र में कई संगीन वारदातों में शामिल रहा है। कांड संख्या 510/21 के तहत, उस पर डकैती के मामले में संलिप्त होने का आरोप था। पुलिस उसकी गिरफ्तारी के लिए लगातार दबिश दे रही थी, जिससे घबराकर उसने कोर्ट में आत्मसमर्पण कर दिया। पुलिस को सूचना मिली थी कि अभियुक्त अपने कुछ साथियों के साथ क्षेत्र में सक्रिय हो सकता है। इसी के मद्देनजर पुलिस टीम लगातार संभावित ठिकानों पर छापेमारी कर रही थी। पुलिस के बढ़ते दबाव और संभावित मुठभेड़ की आशंका के कारण आखिरकार रजत कुमार उर्फ छोटू ने आत्मसमर्पण करने का फैसला किया। अभियुक्त के आत्मसमर्पण के बाद पुलिस अब उससे पूछताछ की तैयारी कर रही है। जांच एजेंसियां यह पता लगाने की कोशिश करेंगी कि उसके साथ और कौन-कौन लोग इस कांड में शामिल थे। पुलिस के अनुसार, इस आत्मसमर्पण से इलाके में अपराधियों के मनोबल पर असर पड़ेगा और अन्य फरार अपराधियों की गिरफ्तारी भी जल्द संभव हो सकती है। पुलिस अधिकारियों ने बताया कि रजत कुमार उर्फ छोटू के खिलाफ पहले भी कई आपराधिक मामले दर्ज हैं। पुलिस अब अन्य मामलों में भी उसकी संलिप्तता की जांच कर रही है। न्यायालय में आत्मसमर्पण के बाद अभियुक्त को न्यायिक हिरासत में भेज दिया गया है और आगे की कार्रवाई के लिए पुलिस अदालत से रिमांड की मांग कर सकती है। स्थानीय लोगों ने पुलिस की सक्रियता की सराहना की और कहा कि अपराधियों के खिलाफ इसी तरह की कड़ी कार्रवाई जारी रहनी चाहिए, ताकि क्षेत्र में कानून-व्यवस्था बनी रहे। पुलिस का कहना है कि बाकी फरार अपराधियों की गिरफ्तारी के लिए भी सघन अभियान जारी रहेगा।

दस हजार का इनामी शराब तस्कर जुन्ना सहनी गिरफ्तार

बीएनएम। मोतिहारी

जिले में सुगौली थाना पुलिस ने 10 हजार के इनामी वांछित शराब तस्कर को पकड़ने में सफलता हासिल की है। पकड़ाया इनामी शराब तस्कर सुगौली थाना क्षेत्र का गोड़ीगांवा निवासी जुन्ना सहनी बताया गया है। थानाध्यक्ष अमित कुमार सिंह ने बताया कि दस हजार का इनामी आरोपित थाना के कई कांडों में वांछित है।पुलिस को इसकी पूर्व से तलाश थी।वह काफी दिनो से फरार था। वही मंगलवार को गुप्त सूचना पर पुलिस टीम उसे गिरफ्तार करने पहुंचे तब वह पुलिस को देख भागने लगा।जिसे करीब एक किलोमीटर खदेड़ कर पुलिस ने उसे दबोच लिया। आवश्यक कार्रवाई के उपरांत उसे न्यायिक हिरासत में भेजा जा रहा है।

गुरुकुल ग्रुप ऑफ स्कूल की पत्रिका का विमोचन हुआ

बीएनएम। सुगौली

स्थानीय दृष्टि गुरुकुल पब्लिक स्कूल में एक कार्यक्रम के आयोजन में गुरुकुल ग्रुप ऑफ स्कूल की पत्रिका "बालारूण" का विमोचन किया गया,अतिथि के रूप में उपस्थित डॉ संत साह प्राचार्य ख़ेमचंद ताराचंद महाविद्यालय, रक्सौल, डॉ पवन कुमार हिंदी विभागाध्यक्ष हरिशंकर वर्मा कालेज ,रामगढ़वा, कन्हैया प्रसाद बरनवाल संरक्षक श्री प्रेम पुस्तकालय सुगौली और श्री मधुरेन कुमार सचिव जनजागरण मंच,सुगौली ने संयुक्त रूप से किया। इस अवसर पर अपने उदबोधन में दो संत साह ने साहित्य में पत्रिकाओं के इतिहास और उसके महत्व पर प्रकाश डाला,साथ हीं यह भी कहा कि आज लोग पत्र पत्रिकाओं से दूर होते जा रहे हैं जो अच्छी स्थिति नहीं है। ऐसी स्थिति में बच्चों के लिए विद्यालय द्वारा पत्रिका निकालना और उपलब्ध कराना अत्यंत प्रशंसनीय है। डॉ पवन कुमार ने कहा कि गुरुकुल ग्रुप ऑफ स्कूल शिक्षा में भारतीयता को लेकर स्कूली शिक्षा के क्षेत्र में बेहतरीन कार्य कर रहा है। उन्होंने यह भी कहा कि छात्रों को पाठ्यक्रम के अलावा अच्छी पुस्तकों का अध्ययन भी करना चाहिए। कन्हैया प्रसाद बरनवाल ने कहा कि पढ़ने के साथ गुनना भी सीखिए। वहीं मधुरेन कुमार ने कहा कि यह विद्यालय बच्चों के सर्वांगीण विकास के लिए सदा सजग और सचेत है। इसी कार्यक्रम मे गुरुकुल ग्रुप ऑफ स्कूल के स्टेट लेवल क्विज कंप्टीशन में यहां के छात्रों के उत्कृष्ट प्रदर्शन के लिए उन्हें साधुवाद दिया गया और भविष्य में भी गुरुकुल फाउंडेशन ऑफ एजुकेशन एंड रिसर्च ट्रस्ट द्वारा आयोजित कार्यक्रम में भाग लेने के लिए प्रोत्साहित किया गया। इस मौके पर विद्यालय के निदेशक उदय प्रकाश श्रीवास्तव सहित विद्यालय के समस्त शिक्षक और बच्चों सहित कई गणमान्य लोग उपस्थित थे।

नेपाल ने झारखंड को एक के बदले दो गोल से किया प्राजित

बीएनएम। चकिया

स्थानीय गांधी मैदान में खेले जा रहे महात्मा गांधी अखिल भारतीय फुटबॉल टूर्नामेंट के तीसरे दिन मंगलवार को युथ क्लब नेपाल बनाम एकवा क्लब झारखंड के बीच खेला गया।इस प्रतियोगिता में नेपाल की टीम ने बेहतर खेल का प्रदर्शन किया तथा एक गोल के मुकाबले दो गोल से एकवा क्लब झारखंड को पराजित कर आगे के चक्र में प्रवेश कर गयी। मैदान में उमड़ी दर्शकों ने खेल का भरपूर आनंद लिया तथा बेहतर खेल का प्रदर्शन करने वाले खिलाड़ियों का तालीयो से हौसला अफजाई की। मध्यांतर तक दोनों ही टीमें बराबरी पर रही परन्तु दोनों ही टीमों के खिलाड़ियों गोल की मौका गंवाया। खेल के दुसरे हाफ में नेपाल की टीम के जर्सी नम्बर 14 के खिलाड़ी को गेंद मिला वह बिना वक्त गंवाए गेंद पोस्ट में धकेल टीम बढ़त दिलाई हालांकि यह बढ़त अधिक देर तक नहीं रही झारखंड टीम के प्रदीप मुंडा ने गोल कर खेल बराबरी पर ला दिया पूनः नेपाल टीम के जर्सी नंबर 5 ने खेल के 80 वे मिनट पर गोल दाग टीम को जीत दिला दी।खेल के मुख्य अतिथि के रूप में केसरिया के पूर्व विधायक राजेश कुमार ने दोनों खिलाड़ियों से परिचय प्राप्त किया । साथ ही अपने सम्बोधन में प्रत्येक वर्ष फुटबॉल टूर्नामेंट कराने के लिए हर सम्भव सहयोग का आश्वासन दिया जिसका मौजूद दर्शकों ने ताली बजा स्वागत किया। खेल के मुख्य रेफरी मनीष कुमार जबकि सहायक के रूप में दीपक कुमार दिनेश कुमार व शशिकुमार सुमन ने जिम्मेदारी निभाई साथ ही कॉमेंटेटर रूप में जोहा अफ़ज़ल व रोहित सिंह थे जो दर्शकों को खेल व अन्य जानकारी दी। मैन ऑफ द मैच का पुरस्कार नेपाल के टीम के खिलाड़ी आकाश कुमार को मुख्य अतिथि ने देकर पुरस्कृत किया। आयोजन समिति की ओर से आगत अतिथियों व गणमान्यों को अंग वस्त्र आदि देकर सम्मानित किया। प्रतियोगिता को सफल बनाने में आयोजन समिति के अशोक यादव,सुभाष कुमार, अरूण मिश्रा,सुकेश गुप्ता,दाउद आलम, गोविंद ओझा,हरप्रीत सिंह निप्पी,पवन कुमार, आदि की अहम् भूमिका थी। मौके पर नवल यादव,केसर सिंह, आदित्य कुमार,मो शौकत सहित अन्य मौजूद थे।

संक्षिप्त समाचार

देशी शराब के साथ कारोबारी पुलिस पकड़ मे

बीएनएम। बेतिया। लौरिया थाना के परसा धांगडटोली से पुलिस ने एक शराब कारोबारी को पांच लीटर देशी शराब के साथ गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार शराब कारोबारी की पहचान मठिया धांगड टोली निवासी बिंदेशवर महतो के पुत्र उपेन्द्र महतो के रूप मे हुई है। इस संबंध में थानाध्यक्ष रमेश कुमार शर्मा ने बताया की थानाक्षेत्र के मठिया पंचायत के परसा धांगडटोली गांव से एक कारोबारी को पांच लीटर देशी शराब के साथ पकड़ा गया है। गिरफ्तार शराब कारोबारी पर मामला दर्ज कर जेल भेज दिया गया है।

एक सौ 25 लीटर चुलाई शराब के साथ कारोबारी गिरफ्तार

बीएनएम। हरसिद्धि। थाना क्षेत्र के भादा पुल से 500 मीटर पूर्व गांव में गुप्त सूचना के आधार पर स्थानीय पुलिस ने सोमवार को छापेमारी कर अहले सुबह एक सौ पचीस लीटर चुलाई शराब व एक मोटरसाइकिल के साथ शराब कारोबारी को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार कारोबारी में हरि शंकर कुमार, पिता- रामाज्ञा सहनी, ग्राम- दामावृत्ति निवासी बताया गया है। पुष्टि करते हुए थानाध्यक्ष सर्वेंद्र कुमार सिन्हा ने बताया कि गुप्त सूचना के आधार पर भादा पुल के पास से एक कारोबारी को गिरफ्तार किया गया है। गिरफ्तार कारोबारी के पास एक सुपर मोटरसाइकिल जिसका रजिस्ट्रेशन नंबर बीआर 22 ए जे 9343है, जिसे पुलिस ने जप्त कर थाना लाई है। पूछताछ में कारोबारी ने बताया कि घर से मोटरसाइकिल से शराब लेकर क्षेत्र में देने जा रहा था। छापेमारी में अपर थाना अध्यक्ष मनीष राज, एसआई राजेश कुमार, उमेश पासवान, पारस कुमार एवं सशस्त्र पुलिस बल शामिल थे।

पगार एप्प का प्रयोग नहीं करने वाले जमादारों को नोटिस

महापौर ने कहा पगार ऐप से बायोमेट्रिक अटेंडेंस की अनदेखी पर रुकेगा वेतन

बीएनएम। बेतिया। नगर निगम की महापौर ने कहा कि संपूर्ण नगर निगम क्षेत्र में सफाई व्यवस्था के संचालन में अब पगार ऐप आधारित बायोमेट्रिक अटेंडेंस अनिवार्य है। सशक्त स्थाई समिति द्वारा इसको बीते एक फरवरी 2025 से ही इसे अनिवार्य किया गया है। श्रीमती सिकारिया ने बताया कि बावजूद इसके नगर निगम क्षेत्र के वार्ड 24 के वार्ड जमादार ओम प्रकाश मल्लिक और वार्ड 25 के वार्ड जमादार अमित पटेल द्वारा इस आदेश की अनदेखी की जा रही है। इसको लेकर नगर आयुक्त विनोद कुमार सिंह के द्वारा उपरोक्त दोनों को नोटिस जारी करते हुए कहा है कि आप दोनों के वार्ड के सभी सफाई कर्मियों का वेतन/मानदेय का भुगतान कर पाना संभव नहीं होगा।

भावी विधायक प्रत्याशी के आवास पर जनसुराज की पार्टी की हुई बैठक

बीएनएम। पकड़ीदयाल। सिसहनी पंचायत में जन सुराज पार्टी के जिला संगठन महासचिव सह मधुबन विधानसभा के भावी प्रत्याशी मनोज कुमार सिंह की आवास पर कार्यकर्ताओं की हुई बैठक। महिला जिला संगठन अध्यक्ष अनीता पासवान प्रखंड अध्यक्ष विजय सिंह के साथ अन्य लोग भी उपस्थित रहे। वही मनोज कुमार सिंह ने बताया कि चकिया अनुमंडल क्षेत्र के कल्याणपुर प्रखंड में बाकलपुर हाई स्कूल के मैदान में तीन मार्च को प्रशांत किशोर जनसंपर्क करेंगे और पार्टी को मजबूत बनाने के लिए सभी कार्यकर्ताओं से बात करेंगे। जिसमें हजारों की संख्या में लोग उपस्थित रहेंगे। श्रीं सिंह ने बताया कि जितने भी पार्टी हैं अबकी बार विधानसभा में सब की सफाया होने जा रही है। अबकी बार जनसुराज पार्टी की सरकार बनेगा और बिहार में 243 सीटों पर जनसुराज लडेगी। मौके पर भोला सिंह नूर मोहम्मद मोहम्मद सैलुन इकबाल मुखिया माया देवी सुदामा देवी सोमारी देवी बुधिया देवी रामपति देवी के साथ हम अन्य लोग उपस्थित हुए।

मेडिकल कैम्प का आयोजन

बीएनएम। केसरिया, पू.च। नगर के वार्ड नंबर ग्यारह स्थित राजकीय प्राथमिक विद्यालय केसरिया उर्दु के परिसर में वार्ड पार्षद प्रियंका कुमारी के पहल पर वर्ल्ड विजन टीम व सीएचसी केसरिया के संयुक्त तत्वावधान में मंगलवार को स्वास्थ्य जांच शिविर का आयोजन किया गया। इस शिविर में 150 मरीजों की बीपी, सुगर, एचआईवी, डिजिटल एक्सरे पद्धति से टीबी सहित अन्य बीमारियों की जांच की गई। शिविर में वर्ल्ड विजन इण्डिया के जिला प्रवेक्षक जितेंद्र कुमार, सामुदायिक समन्वयक अमित पाठक, एसटीएस अनु प्रिया, एसटीएसएस संजीव कुमार सिंह, सीएचओ राकेश कुमार, एनएनएम मुनी कुमारी, वार्ड पार्षद प्रियंका कुमा

आवास योजना में अवैध उगाही पर होगी कार्रवाई, आमजनों से अपील - बीडीओ

बीएनएम। बगहाः प्रधानमंत्री आवास योजना के सर्वेक्षण को लेकर प्रखंड विकास पदाधिकारी बगहा एक प्रदीप कुमार ने प्रखंड लेखापाल धमेंद्र कुमार और कार्यपालक सहायक फिरोज आलम से आवास प्लस 2.0 के सर्वे कार्यों की विस्तृत जानकारी प्राप्त की। तथा पिछले कार्यों का अवलोकन किया। बीडीओ ने कहा कि विभाग द्वारा हर हाल में अनुसूचित जाति,अनुसूचित जनजाति बस्तियों में आवास प्लस 2.0 का सर्वे कार्यों को करते हुए सभी लाभुकों का नाम 31 मार्च तक जोड़ते हुए सूची कार्यालय में सुपुर्द करना सुनिश्चित करेंगे। उन्होंने चेतावनी दिया कि निर्धारित समय के अंदर कार्य नहीं करने वालों पर कार्रवाई की जाएगी। तथा आवास कर्मियों द्वारा आवास योजना के नाम पर उगाही की सूचना प्राप्त होती हैं, तो उस पर विभागीय कार्रवाई सुनिश्चित की जाएगी।इसके निर्वहन में कोताही करने वाले बख्शे नहीं जाएंगे। बीडीओ ने निर्देश दिया कि बगहा प्रखंड बगहा एक के चौबीस पंचायतों में आवास सहायकों द्वारा किए जा रहे सर्वे कार्यों की जानकारी लेते रहेंगे और सर्वे कार्यों में किसी भी प्रकार की समस्या आने पर आवास पर्यवेक्षक नितीश कुमार को त्वरित सूचित करना सुनिश्चित करेंगे। प्रखंड के आवास कार्यालय में आने जाने लोगों की विस्तृत जानकारी प्राप्त करेंगे और बेवजह आने वाले लोगों की सख्त मनाही करेंगे। उन्होंने प्रखंड क्षेत्र के आमजनों से अपील किया कि किसी भी सरकारी कार्यालयों में गड़बड़ी या अवैध राशि की मांग की जाती है तो इसकी शिकायत कार्यालय को दे, ताकि तुरंत जांच करा कर दोषियों के विरूद्ध कठोर कार्रवाई की जायेगी।

शोभायात्रा निर्धारित रूटचार्ट के अनुसार निकालें : एसडीओ

बीएनएम। केसरिया

महाशिवरात्रि को लेकर शांति समिति की बैठक

थाना परिसर में मंगलवार को महाशिवरात्रि पर्व को लेकर आयोजित शांति समिति की बैठक में चकिया एसडीओ शिवानी शुभम ने कहा कि हर हाल में महाशिवरात्रि महोत्सव शांतिपूर्ण व सौहार्दपूर्ण माहौल में मनाएं। आयोजन समिति यह सुनिश्चित करे कि आयोजन के दौरान डीजे नहीं बजेगा। केशरनाथ मंदिर परिसर से लेकर शोभायात्रा वाले मार्ग में पर्याप्त संख्या में स्वयंसेवक की तैनाती करें। सहयोग के लिए प्रशासन पूरी तरह तैयार है। मंदिर परिसर में प्रवेश व निकास के लिए अलग-अलग द्वार बनाएं। बैरिकेडिंग करें ताकि लोग कतारबद्ध होकर पूजा-अर्चना कर सकें। उन्होंने कहा कि शोभा यात्रा निर्धारित रूटचार्ट के अनुसार निकालें। वहीं डीएसपी सत्येन्द्र कुमार सिंह ने कहा कि आयोजन के दौरान विधि-व्यवस्था का ध्यान रखें। पुलिस प्रशासन विधि-व्यवस्था को लेकर हर तरह से सहयोग करने को तैयार है। आयोजन स्थल केशरनाथ महादेव मंदिर व इसके आसपास के क्षेत्रों में पुलिस पदाधिकारी व पुलिस बल की प्रतिनियुक्ति की जा रही है। उन्होंने किसी तरह की अफवाह पर ध्यान नहीं देने की अपील की। महाशिवरात्रि महोत्सव आयोजन समिति से जुड़े लोगों ने आयोजन से संबंधित आवश्यक जानकारी दी। बैठक की अध्यक्षता थानाध्यक्ष उदय कुमार ने की। इस बैठक में अंचलाधिकारी पूनम मिश्रा, पुलिस निरीक्षक मुनीर आलम, बिजधरी थानाध्यक्ष राजीव कुमार के अलावा लोजपा (आर) नेता अभय कुमार सिंह, भाजपा नेता शम्भू महतो, कांग्रेस पार्टी के नेता प्रफुल्ल कुंवर, विश्वनाथ सिंह, रंजन सिंह, महाशिवरात्रि आयोजन समिति के विशुराज सिंह, छोटू सिंह, गुंजन सिंह, चुन्नू सिंह, नेजाम खान, हातिम खान सहित अन्य मौजूद थे।

कार व टेम्पू की टक्कर में एक की मौत

बीएनएम। केसरिया

कुम्भ यात्रा से लौट रहे एक कार सोमवार की देर संध्या टेम्पू से टकरा गई। इस घटना में करीब एक दर्जन लोग घायल हो गए। जिन्हें केसरिया सीएचसी लाया गया। घायलों में से कुछ लोगों को चिंतनीय हालत में मोतिहारी रेफर कर।दिया गया। जहाँ इलाज के क्रम में कोटवा थाना क्षेत्र के सिहोरवा निवासी विजय वाजपेयी की मौत हो गई। घटना केसरिया-चकिया सड़क मार्ग के राजपुर कोठी चौक की है। बताया जाता है कि विजय वाजपेयी टेम्पू से अपने परिवार के अन्य सदस्यों के साथ वैशाली से घर लौट रहे थे। वहीं कुम्भ से एक कार दरभंगा जा रही थी। इसी बीच दोनों वाहनों में टक्कर हो गई। घटना के बाद अफरातफरी मच गई। घायलों को अस्पताल लाया गया। वहीं विजय को चिंतनीय हालत में मोतिहारी रेफर कर दिया गया। जहाँ उनकी मौत हो गई। इधर, पुलिस मामले में अग्रतर कार्रवाई में जुट गई है।

महाशिवरात्रि की तैयारी पूर्ण, आज सजेगी भोलेनाथ की बारात

बीएनएम। केसरिया

सुप्रसिद्ध केशरनाथ महादेव मंदिर में महाशिवरात्रि के अवसर पर आज भव्य आयोजन होगा। इसको लेकर आयोजन समिति द्वारा तैयारी पूर्ण कर लिया गया है। महाशिवरात्रि के अवसर पर निकलने वाली शोभायात्रा की रूप रेखा को तैयार कर लिया गया है। शोभायात्रा में हाथी, घोड़ा, ऊँट के साथ करीब आधा दर्जन से अधिक रथ को शामिल किया गया है। वही करीब एक संगीतमय प्रस्तुति के लिए विभिन्न प्रकार के बाजा को शामिल किया गया है। वही प्रखंड एवं थाना क्षेत्र के विभिन्न पंचायत से भी श्रद्धालु गाजाबाजा के साथ बाईक सवार शामिल होंगे। नगर पंचायत क्षेत्र के बैशखवा मंदिर से शोभायात्रा को निकाला जाएगा। जिसमें भगवान शिव के बाराती में गण लोगों को भी शामिल किया गया है। वही मनमोहक झांकी की भी व्यवस्था किया गया है। शिव के बारात सह शोभायात्रा को नगर के कई मुख्य मार्ग से होते हुए बाबा केशरनाथ के मंदिर में पहुँचाया जाएगा। बाबा भोलेनाथ के विवाह के पूर्व मंगलवार को पूजा मटकोर का भी आयोजन किया गया। जिसमें प्रमुख रूप से महिलाओं की उपस्थिति रही। मटकोर पूजा में श्रद्धालु महिलाओं ने मटकोर की पारंपरिक गीत गाया। वहीं श्रद्धालुओ के लिए केसरिया के ताजपुर पटखौलिया निवासी राकेश कुमार सिंह के भारत उत्थान संघ के द्वारा भंडारा एवं व्रतियों के लिए फलाहार की व्यवस्था किया गया है। इधर, चकिया एसडीओ शिवानी शुभम, एसडीपीओ सत्येन्द्र कुमार सिंह, सीओ पूनम मिश्रा, थानाध्यक्ष उदय कुमार सहित अन्य अधिकारियों ने मंदिर पहुँच तैयारी का जायजा लिया।

स्कॉर्पियो और हाइवा के टक्कर से महाकुंभ से घर लौट रहे पति पत्नी समेत तीन की मौत

बीएनएम। हरसिद्धि

थाना क्षेत्र के तीन लोगों की मौत कुंभ स्नान कर घर लौट रहे श्रद्धालुओं से भरी स्कॉर्पियो को पीछे से हाइवा की टक्कर मार दी, जिसमें दो महिला सहित एक पुरुष की मौत घटनास्थल सुल्तानपुर जनपद पूर्वांचल एक्सप्रेस वे पर हो गई। मृतक सोनवर्षा निवासी स्व. यमुनाकांत पांडे के पुत्र सत्येंद्र पांडे उम्र करीब 52 वर्ष उनकी पत्नी 48 वर्षीय मधुबाला देवी मठलोहियार वार्ड 12 निवासी रवींद्र तिवारी की पत्नी रीता देवी बताई गई है। रवींद्र तिवारी सत्येंद्र पांडे के सगे साले

बताए जाते है। रविन्द्र तिवारी की भी पैर टूट गई है। रवींद्र तिवारी की अपनी स्कॉर्पियो से कुंभ अपने बहनोई बहन भांजा के साथ कुंभ स्नान करने गए थे। घर लौटते समय गाड़ी सत्येंद्र पांडे के छोटा पुत्र रितेश पांडे चला रहा था, जिसको गंभीर चोट आई है। घायलों का इलाज निजी हॉस्पिटल में चल रहा है। मृतक के बड़े पुत्र मधुरेश पांडे ने बताया कि मेरे माता-पिता की शव को घर लाया जा रहा हैं। घर आकर अंतिम संस्कार किया जाएगा। मौत की खबर सुनते ही इलाके में मातम छा गई है।

रक्सौल- सीतामढ़ी रेल खंड पर ट्रेन की चपेट में आने से अधेड़ की मौत

बीएनएम। मोतिहारी

जिले में रक्सौल-सीतामढ़ी रेल खंड पर नोनियाडीह स्थित फाटक संख्या-31 के समीप मंगलवार सुबह एक दर्दनाक हादसा हो गया। जहां ट्रेन की चपेट में आने से एक अधेड़ व्यक्ति की मौके पर ही मौत हो गई। घटना की सूचना मिलते ही स्थानीय पुलिस मौके पर पहुंची और शव को कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए मोतिहारी भेज दिया। थानाध्यक्ष राजीव नंदन सिन्हा ने बताया कि मृतक की पहचान नोनियाडीह पंचायत के श्रीरामपुर निवासी भीखन साह के पुत्र भरत साह (उम्र लगभग 55 वर्ष) के रूप में हुई है। बताया जा रहा है कि भरत साह रोजाना की तरह सुबह रेलवे लाइन किनारे टहलने निकले थे, तभी अचानक तेज रफ्तार ट्रेन की चपेट में आ गए। घटना में उनकी मौके पर ही मौत हो गई।घटना की सूचना मिलते ही परिजनों पर के साथ भारी संख्या में ग्रामीं घटनास्थल पर जुट गए। मृतक के परिवार में उनकी पत्नी, दो बेटे और एक बेटी हैं। भरत साह परिवार के मुखिया थे, जिनकी असमय मौत से परिजनों का रो-रोकर बुरा हाल है। पुलिस ने आवश्यक कानूनी प्रक्रिया पूरी कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है। थानाध्यक्ष ने बताया कि घटना की जांच की जा रही है और परिजनों के बयान दर्ज किए जाएंगे। वहीं, स्थानीय लोगों ने रेलवे प्रशासन से मांग की है कि फाटक के आसपास सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम किए जाएं, ताकि इस तरह की घटनाओं की पुनरावृत्ति न हो। भरत साह की मृत्यु से पूरा गांव गमगीन है। ग्रामीणों ने शोक व्यक्त करते हुए कहा कि भरत साह एक मेहनती और ईमानदार व्यक्ति थे।

ब्रह्म स्थान अतिक्रमण को लेकर अंचल कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन

बीएनएम।बेतिया,

25 फरवरी (हि.स.)। पश्चिम चंपारण जिला स्थित नौतन प्रखंड के दक्षिण तेल्हुआ पंचायत के दर्जनों ग्रामीणों ने ब्रह्मा स्थान पर अतिक्रमण करने के विरुद्ध मंगलवार को अंचल सह प्रखंड कार्यालय के समक्ष प्रदर्शन कर रोष जताया। प्रदर्शन कर रहे पुर्व सरपंच अवध चौधरी,राम वचन महतो, राजेश सहनी, धर्मेंद्र खरवार,मनु खरवार, स्वामी नाथ सहनी, अभिमन्यु सहनी मिथलेश चौधरी,विगु चौधरी, नितीश खरवार आदि लोगों ने बताया कि दक्षिण तेल्हुआ वार्ड नंबर 7 सती टोला में ब्राह्मा स्थान के पास गैरमजुरवा ज़मीन में ब्रह्मस्थान व एक मंदिर है. जहां पूरे वार्ड सहित गांव के लोग पूजा पाठ व धार्मिक कार्य विगत कई दशकों से करते आ रहे हैं। इधर गांव के हीरा लाल सहनी संतोष साहनी व मोतीलाल सहनी द्वारा ब्रह्म स्थान की जमीन को अतिक्रमण कर घर बना लिया गया हैं.।जिससे ग्रामीण जनता को पूजा पाठ व मंदिर की परिक्रमा करने में भारी परेशानियों का सामना करना पड़ता है। जिससे गांव में तनाव का माहौल बना हुआ है। सैकड़ो से अधिक ग्रामीणों ने एक लिखित आवेदन विगत दो माह पूर्व अंचला अधिकारी को दिया था, लेकिन आज तक इस दिशा में अधिकारी द्वारा पहल नहीं किया गया। ग्रामीणों ने अंचला अधिकारी से ब्रह्म स्थान को अतिक्रमण मुक्त करने का गुहार लगाई है. इस संबंध में अंचला अधिकारी अलका कुमारी ने बताया कि जांच कर ब्रह्म स्थान को अतिक्रमण मुक्त कराया जाएगा।

प्रजापति ब्रह्माकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय केन्द्र पर महाशिवरात्रि मनाई गई

बीएनएम। केसरिया

शिवरात्रि पर प्रजापति ब्रह्मकुमारी ईश्वरीय विश्वविद्यालय सेवा केंद्र में महाशिवरात्रि धूमधाम से मनाई गई। भगवान शिव के ध्वजारोहण के साथ समारोह की शुरुआत हुई। भगवान शिव और माता पार्वती की पूजा अर्चना के बाद शोभायात्रा निकाली गई। शोभा यात्रा में भगवान शिव, माता पार्वती और भगवान गणेश की जीवंत झांकी निकाली गई। जो नगर के विभिन्न मार्ग भ्रमण करते हुए शोभा यात्रा सेवा केंद्र में आकर विसर्जित हो गई। केंद्र की संचालिका मनोरमा बहन ने इस मौके पर उपस्थित श्रदालुओ को शिवरात्रि के सच्चे रहस्य को बताया। कहा कि भगवान शिव सत्य के मार्ग पर चलने वाले सभी का कल्याण करते हैं। भगवान शिव के ज्ञान को अपनाकर ही जीवन से अज्ञानता का नाश हो सकता है। शोभायात्रा में सुधीर भाई, जयप्रकाश भाई, कैलाश पाल, बबिता बहन, रिंकू बहन समेत कई लोग सामिल थे।

महिला के पेट से निकला सात किलो का ट्यूमर

बीएनएम। बेतिया/बगहा

अनुमंडलीय अस्पताल बगहा के डॉक्टरों ने पहली बार एक सर्जरी कर महिला के पेट से ट्यूमर निकाला है जिसका वजन सात किलो है। डॉक्टरों ने बताया की महिला को पेट में लंबे समय से अत्यधिक दर्द, सूजन और कमजोरी की शिकायत थी। लेकिन आर्थिक तंगी के कारण वह निजी अस्पतालों में महंगा इलाज नहीं करा पा रही थी। महिला की पहचान बगहा माखाड़ी टोला निवासी सहून नेशा के रूप मे हुई है। अस्पताल मे जाँच के लिये आयी महिला की जब डॉक्टरों ने जांच की तो उन्हें ट्यूमर होने का संदेह हुआ। ट्यूमर की पुष्टि के बाद सिमित संसाधनों के बाबजूद डॉक्टर एस एके तिवारी के मार्गदर्शन में डॉ. अरुण यादव, डॉ. पूजा कुमारी, डॉ. बालेश्वर कुमार, जीएनएम पंकज कुमार और माता प्रसाद सुमन की टीम ने ऑपरेशन करने का निर्णय लिया और डॉक्टरों ने महिला के पेट से 7 किलो का ट्यूमर सफलतापूर्वक निकाल दिया। ऑपरेशन के दौरान जब डॉक्टरों ने ट्यूमर का आकार और वजन देखा, तो वे भी हैरान रह

बजट में विशेष प्रावधान

उप्र की योगी सरकार ने वित्तीय वर्ष 2025-26 के लिए आठ लाख करोड़ का सबसे बड़ा बजट पेश किया। इसकी खासियत इंफ्रास्ट्रक्चर, गरीब, युवा, किसान, महिलाएं, धार्मिक पर्यटन रहा। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ के नेतृत्व में वित्तमंत्री सुरेश खन्ना ने पर्यटन स्थलों के लिए 400 करोड़ रुपये प्रस्तावित किए। अयोध्या व मथुरा के लिए क्रमशः 150-125 करोड़ रुपये तथा नैमीषारण्य के लिए सौ करोड़ की व्यवस्था प्रस्तावित है। मलिन बस्तियों के विकास के लिए 400 करोड़ व अर्बन फ्लड स्टार्म वाटर ड्रेनेज योजना को हजार करोड़, स्मार्ट सिटी योजना को 450 करोड़, बेसहारा पशुओं के आश्रय के लिए 450 करोड़ रुपये का ऐलान किया। देश के अन्य राज्यों की खुद के कर प्राप्तियों में उप्र का अंश 2024-25 में 11.6त्न रहा, जो महाराष्ट्र के बाद सर्वाधिक है। चूंकि जनवरी 24 से दिसम्बर 24 के दरम्यान राज्य में 65 करोड़ से ज्यादा पर्यटक आए। जिनमें विदेशी पर्यटकों की संख्या 14 लाख बताई जा रही है। इसी माह केवल महाकुंभ के दौरान प्रयागराज आने वालों की संख्या 54 करोड़ आंकी जा रही है। इस सबसे सरकार को होने प्राप्त वाले जीएसटी, राजस्व व अन्य करों का सहज अंदाजा लगाया जा सकता है। मंदिरों को चढने वाले चढ़ावे में राम मंदिर तीसरे स्थान पर आ चुका है। ऊर्जा, लिंक-एक्सप्रेस-वे, सड़कों व पुलों के निर्माण के लिए बजट में विशेष प्रावधान करने के पीछे सरकार की मंशा आम नागरिक को प्रभावित करने की भी है। हालांकि कृत्रिम मेधा व साइबर सुरक्षा को 5 व 3 करोड़ रुपये देने के ऐलान ने स्पष्ट किया कि सरकार कुछ मामलों में सिर्फ खानापूर्ति कर रही है। इन आठ सालों में सड़कों की स्थिति बेहतर हुई है, मगर सरकार के पास वाहनों के लगातार बढ़ते दबाव व सड़क दुर्घटनाओं को रोकने की कोई स्कीम नहीं है। सड़कों, एक्सप्रेस-वे, पुलों व मेट्रो के निर्माण के चलते शहरों/महानगरों की व्यवस्था चरमरा जाती है। शिक्षा-व्यवस्था, छात्रों व बेरोजगारों के साथ ही स्वास्थ्य सेवाओं में सुधार लाने के लिए सरकार को बेहतर कदम उठाने होंगे। हर सेक्टर को धन मुहैया कराने की आंकड़ेबाजी तो बस रवायत है। इसका असर निचले स्तर पर व्यावहारिक तौर पर नजर भी आना जरूरी है।

आध्यात्मिक रूप से महत्वपूर्ण त्योहार है महाशिवरात्रि

रमेश सर्राफ धमोरा

हिंदू धर्म में सबसे बड़ा पर्व महाशिवरात्रि है। इस दिन सभी शिव मंदिरों में भीड़-भाड़ का माहौल रहता है। महाशिवरात्रि के दिन सभी भक्त महादेव की कृपा पाने के लिए विधिवत पूजा-पाठ करते हैं। पंचांग के अनुसार शिवरात्रि फाल्गुन माह के कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को मनाई जाती है। महाशिवरात्रि का पर्व भगवान शिव और माता पार्वती को समर्पित है। महाशिवरात्रि भगवान शिव का त्योहार है। भारत के सभी प्रदेशों में महाशिव रात्रि का पर्व धूमधाम से मनाया जाता है। भारत के साथ नेपाल, मारिशस सहित दुनिया के कई अन्य देशों में भी महाशिवरात्रि मनाते हैं। हर साल फाल्गुन मास में कृष्ण पक्ष की चतुर्दशी तिथि को महाशिव रात्रि का व्रत किया जाता है। हिन्दू पुराणों के अनुसार इसी दिन सृष्टि के आरंभ में मध्यरात्रि में भगवान शिव ब्रह्मा से रुद्र के रूप में प्रकट हुए थे। इसीलिए इस दिन को महाशिवरात्रि कहा जाता है। योगिक परम्परा में इस दिन और रात को इतना महत्व इसलिए दिया जाता है क्योंकि यह आध्यात्मिक साधक केलिए जबर्दस्त संभावनाएं प्रस्तुत करतेहैं। आधुनिक विज्ञान कई चरणों से गुजरने के बाद आज उस बिंदु पर पहुंच गया है। जहां वह प्रमाणित करता है कि हर वह चीज जिसे आप जीवन के रूप में जानते हैं, पदार्थ और अस्तित्व के रूप में जानते हैं। जिसे आप ब्रह्मांड और आकाशगंगाओं के रूप में जानते हैं। वह सिर्फ एक ही ऊर्जा है, जो लाखों रूपों में खुद को अभिव्यक्त करती है। माना जाता है कि इस दिन भगवान शंकर और माता पार्वती का विवाह हुआ था। इस दिन लोग व्रत रखते हैं और भगवान शिव की पूजा करते हैं। महाशिवरात्रि का व्रत रखना सबसे आसान माना जाता है। इसलिये बच्चों से लेकर बूढ़ों तक सभी इस दिन व्रत रखते हैं। महाशिवरात्रि के व्रत रखने वालों के लिये अन्न खाना मना होता है इसलिये उस दिन फलाहार किया जाता है। राजस्थान में व्रत के समय गाजर, बेर का सीजन होने से गांवों में लोगों द्वारा गाजर, बेर का फलाहार किया जाता है। लोग मन्दिरों में भगवान शिव की पूजा करते हैं व उन्हें आक, धतूरा चढ़ाते हैं। भगवान शिव को विशेष रूप से भांग का प्रसाद चढ़ाया जाता है। पुराणों में कहा गया है कि एक समय शिव-पार्वती जी के साथ कैलाश पर्वत पर बैठे थे। उसी समय पार्वती जी ने प्रश्न किया कि इस तरह का कोई व्रत है जिसके करने से मनुष्य आपके धाम को प्राप्त कर सके ? तब उन्होंने यह कथा सुनाई थी कि प्रत्यना नामक देश में एक व्यक्ति रहता था, जो जीवों को बेचकर अपना भरण -पोषण करता था। उसने सेठ से धन उधार ले रखा था। समय पर कर्ज न चुकाने के कारण सेठ ने उसको शिवमठ में बन्द कर दिया। संयोग से उस दिन फाल्गुन बदी चतुर्दशी थी। वहां रातभर कथा-पूजा होती रही जिसे उसने भी सुना। अगले दिन शीघ्र कर्ज चुकाने की शर्त पर उसे छोड़ा गया। उसने सोचा रात को नदी के किनारे बैठना चाहिये। वहां जरूर कोई न कोई जानवर पानी पीने आयेगा। अतः उसने पास के बील वृक्ष पर बैठने का स्थान बना लिया। उस बील के नीचे एक शिवलिंग था। जब वह पेड़ पर अपने छिपने का स्थान बना रहा था उस समय बील के पत्तों को तोड़कर फेंकता जाता था जो शिवलिंग पर ही गिरते थे। वह दो दिन का भूखा था। इस तरह से वह अनजाने में ही शिवरात्रि का व्रत कर ही चुका था। साथ ही शिवलिंग पर बेल-पत्र भी अपने आप चढ़ते गये। एक पहर रात्रि बीतने पर एक गर्भवती हिरणी पानी पीने आई। उस व्याध ने तीर को धनुष पर चढ़ाया किन्तु हिरणी की कातर वाणी सुनकर उसे इस शर्त पर जाने दिया कि सुबह होने पर वह स्वयं आयेगी। दूसरे पहर में दूसरी हिरणी आई। उसे भी छोड़ दिया। तीसरे पहर भी

एक हिरणी आई उसे भी उसने छोड़ दिया और सभी ने यही कहा कि सुबह होने पर मैं आपके पास आऊंगी। चौथे पहर एक हिरण आया। उसने अपनी सारी कथा कह सुनाई कि वे तीनों हिरणियां मेरी स्त्री थी। वे सभी मुझसे मिलने को छटपटा रही थी। इस पर उसको भी छोड़ दिया तथा कुछ और भी बेल-पत्र नीचे गिराये। इससे उसका हृदय बिल्कुल पवित्र, निर्मल तथा कोमल हो गया। प्रातः होने पर वह बेल-पत्र से नीचे उतरा। नीचे उतरने से और भी बेल पत्र शिवलिंग पर चढ़ गये। अतः शिवजी ने प्रसन्न होकर उसके हृदय को इतना कोमल बना दिया कि अपने पुराने पापों को याद करके वह पछताने लगा और जानवरों का वध करने से उसे घृणा हो गई। सुबह वे सभी हिरणियां और हिरण आये। उनके सत्य वचन पालन करने को देखकर उसका हृदय दुग्ध सा धवल हो गया और वह फूट-फूट कर रोने लगा। शिवरात्रि के प्रसंग को हमारे वेद, पुराणों में बताया गया है कि जब समुद्र मन्थन हो रहा था उस समय समुद्र में चौदह रत्न प्राप्त हुए। उन रत्नों में हलाहल भी था। जिसकी गर्मी से सभी देव दानव त्रस्त होने लगे। तब भगवान शिव ने उसका पान किया। उन्होंने लोक कल्याण की भावना से अपने को उत्सर्ग कर दिया। इसलिए उनको महादेव कहा जाता है। जब हलाहल को उन्होंने अपने कंठ के पास रख लिया तो उसकी गर्मी से कंठ नीला हो गया। तभी से भगवान शिव को नीलकंठ भी कहते हैं। शिव का अर्थ कल्याण होता है। जब संसार में पापियों की संख्या बढ़ जाती है तो शिव उनका संहार कर लोगों की रक्षा करते हैं। इसीलिए उन्हें शिव कहा जाता है। योगियों और संन्यासियों के लिए यह वह दिन है जब शिव कैलाश पर्वत के साथ एकाकार हो गए थे। योगिक परम्परा में शिव को ईश्वर के रूप में नहीं पूजा जाता है। बल्कि उन्हें प्रथम गुरु, आदि गुरु माना जाता है। जो योग विज्ञान के जन्मदाता थे। कई सदियों तक ध्यान करने के बाद शिव एक दिन वह पूरी तरह स्थिर हो गए। उनके भीतर की सारी हलचल रुक गई और वह पूरी तरह स्थिर हो गए। वह दिन महाशिवरात्रि था। इसलिए संन्यासी महाशिवरात्रि को स्थिरता की रात के रूप में देखते हैं। महाशिवरात्रि का पर्व हमारे जीवन में ईश्वरीय शक्ति के महत्व को दिखलाता है। हमें भगवान शिव के द्वारा मानव जाति तथा सृष्टि के कल्याण के लिए विषपान जैसे असीम त्याग को प्रदर्शित करता है। यह दिन हमें इस बात की याद दिलाता है कि यदि हम अच्छे कर्म करेंगे और ईश्वर के प्रति श्रद्धा रखेंगे तो ईश्वर भी हमारी रक्षा अवश्य केरेंगे। लोगों का मानना है कि महाशिवरात्रि के दिन भगवान शिव हमारे निकट होते हैं और इस दिन पूजा अर्चना तथा रात्रि जागरण करने वालों को उनकी विशेष कृपा प्राप्त होती है। कई लोग इस दिन दान धर्म करते है तथा गरीबों को खाना खिलाकर भगवान शिवजी से अपनी सुखी जीवन के लिए प्रार्थना करते हैं। महाशिवरात्रि आध्यात्मिक रूप से सबसे महत्वपूर्ण है। इस रात धरती के उत्तरी गोलार्ध की स्थिति ऐसी होती है कि इंसान के शरीर में ऊर्जा कुदरती रूप से ऊपर की ओर बढ़ती है। इस दिन प्रकृति इंसान को अपने आध्यात्मिक चरम पर पहुंचने के लिए प्रेरित करती है। गृहस्थ जीवन में रहने वाले लोग महाशिवरात्रि को शिव की विवाह वर्षगांठ के रूप में मनाते हैं। सांसारिक महत्वाकांक्षाएं रखने वाले लोग इस दिन को शिव की दुश्मनों पर विजय के रूप में देखते हैं।

सूडोकु नवताल- 7353

मध्यम

2	9		3	1			8	
3	6		2		7		9	
		7			6		2	1
	7		1					
1	3			4			7	2
					5		4	
6	2		4			9		
	5		6		9		1	8
	1			5	3		6	4

Jagrutidaur.com, Bangalore

■ प्रत्येक पंक्ति में 1 से 9 तक के अंक भरे जाने आवश्यक हैं.

■ प्रत्येक आड़ी और खड़ी पंक्ति में एवं 3×3 के वर्ग में किसी भी अंक की पुनरावृत्ति न हो इसका विशेष ध्यान रखें.

■ पहले से मौजूद अंकों को आप हटा नहीं सकते .

■ पहेली का केवल एक ही हल है.

सूडोकु नवताल -7352 का हल

3	9	7	5	1	4	6	8	2
1	2	8	6	9	3	4	5	7
6	4	5	2	8	7	1	3	9
5	7	3	4	6	9	2	1	8
2	1	9	7	5	8	3	4	6
4	8	6	3	2	1	7	9	5
9	3	2	8	4	6	5	7	1
7	6	1	9	3	5	8	2	4
8	5	4	1	7	2	9	6	3

ट्रंप प्रशासन की नये कार्यकाल की शुरुआत

डॉ. दिलीप चौबे

अमेरिका में राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप के कार्यकाल को अभी केवल एक महीना हुआ है, लेकिन इसी अवधि में लगता है कि दुनिया में बहुत कुछ बदल गया है। इस नये कार्यकाल की शुरुआत में ट्रंप प्रशासन ने जो फैसले किए हैं उससे अमेरिका की घरेलू राजनीति और अंतरराष्ट्रीय राजनीति का नक्शा बदल रहा है। सब कुछ इतनी तेज रफ्तार से हो रहा है कि अमेरिका के मित्र और सहयोगी देश सकते में हैं। विरोधी देश भी आशंका के साथ ट्रंप के अगले कदम का इंतजार कर रहे हैं। पहले कार्यकाल की तुलना में इस बार ट्रंप के पास एक मजबूत कैबिनेट या टीम है। उन्होंने जिन लोगों को सहयोगी के रूप में चुना है उन्हें लेकर काफी विवाद की स्थिति रही। पहले यह लग रहा था कि राष्ट्रीय खुफिया प्रमुख के रूप में तुलसी गबार्ड और संघीय जांच ब्यूरो (एफबीआई) के प्रमुख के रूप में काश पटेल की नियुक्ति को सीनेट खारिज कर सकती है। इन सारे विरोध के बावजूद इन दोनों व्यक्तियों की नियुक्ति पर सीनेट की मुहर लग गई। यह कहा जा सकता है कि ट्रंप की विदेश नीति के निर्धारण में तुलसी गबार्ड की भूमिका महत्त्वपूर्ण होगी। तुलसी बार-बार यह कह चुकी हैं कि ट्रंप शांति के पक्षधर राष्ट्रपति होंगे। वह नया युद्ध शुरू करने के बजाय मौजूद संघर्ष को समाप्त करने के लिए निर्णायक पहल करेंगे। यूक्रेन संघर्ष को समाप्त करने के लिए अमेरिका रूस के बीच वार्ता भी इसी लक्ष्य से प्रेरित है। इस संदर्भ में ट्रंप ने यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की को लेकर जैसा उपहास किया हुआ वह उनकी चिर-परिचित शैली के अनुरूप है। लेकिन यह निश्चित है कि शुरु आती दौर में ही ट्रंप ने अपनी विदेश नीति के रूपरेखा तय कर दी है। यदि यह जारी रही तो दुनिया पहले की तुलना में अधिक शांतिपूर्ण और स्थिरता वाली होगी। आश्चर्यजनक रूप से ट्रंप चीन के खिलाफ भी संयत रवैया अपनाए हुए हैं। अमेरिका में शक्तिशाली से सैन्य उद्योग और हथियारों के कारोबारी ट्रंप की नीतियों के संदर्भ में अपने नफा-नुकसान का लेखा-जोखा ले रहे हैं। वे ट्रंप को अपना रास्ता बदलने के लिए बाध्य कर सकेंगे या नहीं यह आने वाले दिनों में स्पष्ट होगा। घरेलू मोर्चे पर हालात दुरुस्त करने की जिम्मेदारी काश पटेल पर है। उन्हें डोनाल्ड ट्रंप का बाहुबली माना जाता है। उनकी तुलना अभी

से एफबीआई के 'सर्वशक्तिमान प्रमुख एडगर हूबर से की जा रही है। हूबर करीब 50 वर्षों तक खुफिया एजेंसी के प्रमुख रहे थे। उनके कार्यकाल के दौरान 6 राष्ट्रपति आए और गए। हूबर इतने शक्तिशाली थे कि राष्ट्रपति भी उनसे खौफ खाते थे। काश जैसे कम उम्र और कम अनुभवी व्यक्ति की तुलना हूबर से किया जाना बहुत कुछ बयां करता है। विपक्षी डेमोक्रेटिक पार्टी के नेता ही नहीं बल्कि रिपब्लिकन पार्टी के असंतुष्ट नेता भी काश पटेल से भयभीत हैं। इतना ही नहीं सीएनएन और वाशिंगटन पोस्ट जैसे मीडिया संस्थानों के नामी-गिरामी पत्रकार भी चिंतित हैं। काश पटेल पहले ही यह ऐलान कर चुके हैं कि ट्रंप के खिलाफ दुष्प्रचार करने वाले मीडिया संस्थानों और पत्रकारों की खबर ली जाएगी। लेकिन भारत के लिए काश की नियुक्ति एक अच्छी बात है। जेहादी और खालिस्तान समर्थक अमेरिका को सुरक्षित पनाहगाह के रूप में इस्तेमाल नहीं कर सकेंगे। गुरपतवंत सिंह पन्नू जैसे आतंकवादियों को नया ठिकाना ढूंढना होगा। भारत की घरेलू राजनीति में विदेशी हस्तक्षेप के संबंध में ट्रंप के हालिया बयानों को लेकर राजनीतिक भूचाल सा आ गया है। एलन मस्क की अगवाई वाले सरकार दक्षता विभाग (डीओजीई) ने भारत की चुनाव प्रक्रिया में दखलअंदाजी करने के लिए करीब 180 करोड रु पये का आवंटन किए जाने का खुलासा किया है। ट्रंप ने यह चौंकाने वाला बयान दिया कि यह धनराशि मोदी के बजाय किसी अन्य व्यक्ति को चुनाव जिताने के लिए थी। ट्रंप के इस बयान का प्रतिवाद करने के लिए अमेरिका की मीडिया में रिपोर्ट प्रकाशित की जा रही हैं। लेकिन ट्रंप बार-बार अपने इस बयान को दोहरा रहे हैं। ट्रंप ने यह भी कहा कि बांग्लादेश की राजनीति को प्रभावित करने के लिए करीब 3 करोड़ डॉलर निर्धारित किए गए। बांग्लादेश में क्या हुआ यह दुनिया के सामने है। विदेशी पैसे के बलबूते तीसरी दुनिया के देशों में अमेरिका ऐसा खेल खेलता रहा है। लगता है ट्रंप टीम इस पर विराम लगाना चाहती है।

नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान

शकील अख्तर

प्रधानमंत्री मोदी कहते थे कि 2014 से पहले भारत में जन्म लेना शर्म की बात थी। अर्थात दुनिया में जो सम्मान मिला है वह 2014 के बाद ही मिला है। और देख लीजिए क्या सम्मान मिला है? रोजगार की तलाश में गए युवा भारतीय जघन्य अपराधियों की तरह हथकड़ी-बेडी में जकड़ कर लाए जा रहे हैं।ज्. सिखों के पाग और उतरवा दिए। और फिर गुरु दक्षिणा में वह वीडियो बनाकर पूरी दुनिया में और प्रसारित कर दिए कि देखो भारतीयों को कैसे जन्जीरों से जकड़ा जा रहा है। अमेरिका केवल हथकड़ी-बेड़ी डालकर ही भारतीयों को वापस नहीं भेज रहा है बल्कि किस तरह उन्हें बांधा जा रहा है इसके वीडियो भी प्रसारित कर रहा है। और वह भी प्रधानमंत्री मोदी के अमेरिका जाने के बाद। और राष्ट्रपति ट्रंप से मिलकर उनके गदगद होने के बाद! क्या फर्क पड़ता है? आज कुछ भी हो जाए न मोदी सरकार को फर्क पड़ता है और न शायद जनता को। एक से एक बड़ी घटनाएं हो गईं। मगर जनता उनसे विरक्त है। नफरत के नशे के बारे में बहुत सुना था मगर वह इतना जहरीला है कि पूरे देश की सोच समझ की ताकत को खत्म कर सकता है, देश को पूरा डुबोने की तैयारी कर सकता है, यह कभी नहीं सोचा था। हिटलर के फैलाए यहूदियों के खिलाफ नफरत के बारे में यह लगता है कि उसे 75 – 80 साल हो गए। उसके दुष्परिणाम भी दुनिया ने देख लिए। जर्मनी के दो टुकड़े हो गए। हिटलर खुद सबसे बड़ा घृणा का पात्र हो गया। खुद को गोली मारना पड़ी इन सब के बाद लगता था कि इस नफरत की विचारधारा को कोई नहीं अपनाएगा। खुद अपने और अपने देश के विनाश के रास्ते पर कोई नहीं चलेगा मगर आप सोच सकते हैं, जो हो रहा है लिख सकते हैं लेकिन किसी को रोक नहीं सकते! एक राहुल गांधी यह कोशिश कर रहे हैं। उन्होंने सही तरीके से समय रहते इस नफरत को पहचाना। यह भी समझा कि यह कोई एक छोटा मोटा अलग थलग को मामला नहीं है। पूरा बाजार बना डाला है। इसीलिए उन्होंने नफरत के बाजार में मोहब्बत की दुकान की बात कही। वे अकेले इस नफरत से लड़ रहे हैं। पढ़े लिखे हैं। दुनिया देखते हैं उन्हें मालूम है कि भारत इस नफरत से विश्व गुरु बनना तो दूर अपना सामान्य विकास भी नहीं कर पाएगा। विश्व गुरु किसे चाहिए? क्या अन्तरराष्ट्रीय जगत में यह मांग कभी सुनी कि हम बिना गुरु के हैं। अन्धकार में है। कोई आकर ज्ञान दे। निकाले हमें अज्ञान से। सारा साइंस टेक्नोलाजी उनके पास। नेहरू के समय भारत में इस क्षेत्र में जो शुरूआत हुई थी वह अंधविश्वासों को बढ़ावा देकर खत्म कर दी। पैसा, उद्योग धंधे उनके पास। हमारे यहां यह सब भी खत्म कर दिया। निर्माण के बदले असेम्बलिंग (जैसे अखबार के लिफाफे बनाने का काम होता था) का काम होने लगा। बेरोजगार ही बेरोजगार पैदा कर दिए। वही रोजगार की तलाश में अमेरिका गए थे। और अमेरिका क्या? रूस, युक्रेन, इजराइल में भाड़े के सैनिक तक बनकर गए। तो अमेरिका कोई चोरी डकैती करने नहीं गए। रोजगार की तलाश में गए थे। और वहां से वापसी? तीन जहाज आ गए। जब पहला आया तो संसद चल रही थी। विदेश मंत्री ने कहा कि हम सुनिश्चित करेंगे कि हथकड़ी बेड़ी डालकर नहीं भेजा जाए। मिलिट्री जहाज से नहीं। उसके बाद प्रधानमंत्री की अमेरिका यात्रा भी हो गई। गोदी मीडिया बड़ा उत्साहित हो गया। ट्रंप ने यह कहा उनकी शान में वह किया। बन गए विश्व गुरु। जल गया विपक्ष। छा गए मोदी। पता नहीं क्या क्या टीवी में बोला और अखबारों में लिखा। मगर हुआ क्या उसके बाद दो जहाज और आ गए। हथकड़ी बेड़ीं तो थी हीं। सिखों के पाग और उतरवा दिए। और फिर गुरु दक्षिणा में वह वीडियो बनाकर पूरी दुनिया में और प्रसारित कर दिए कि देखो भारतीयों को कैसे जन्जीरों से जकड़ा जा रहा है। सत्तर साल में क्या हुआ? यह राग है जो प्रधानमंत्री मोदी से लेकर मीडिया तक हर वक्त बजता रहता है। सत्तर साल में कुछ नहीं हुआ! कांग्रेसी जवाब देने में कमजोर। केवल अपने निजी फायदे की बात में ही उनका दिमाग और जबान चलती है। अभी दस साल यूपीए की सरकार में मंत्री रहे। उससे पहले रहे। संगठन में सभी उच्च पदों पर कब्जा जमा कर बैठे रहे। मगर कभी सामने नहीं आते। नहीं बताते कि सत्तर साल में भारत ने कितनी तरक्की की। उनके इस चुप रहने से ही प्रधानमंत्री मोदी की यह हिम्मत हुई कि उन्होंने कह दिया कि 2014 से पहले भारत में जन्म लेना शर्म की बात थी। दुनिया में जो सम्मान मिला है वह 2014 के बाद ही मिला है। देख लीजिए कि कितना सम्मान मिला है। रोजगार की तलाश में गए युवा जघन्य अपराधियों की तरह हथकड़ी बेडी में जकड़कर लाए जा रहे हैं। कोई यह कहने को तैयार नहीं है कि सत्तर साल में कम से कम यह तो नहीं हुआ। भारत की विदेश सेवा के कुछ रिटायर अधिकारियों ने यह हिम्मत की। उन्होंने कहा कि न अपनी विदेश सेवा का नौकरी में देखा, न उससे पहले के बारे में कभी पढ़ा सुना और ने रिटायर होने के बाद देखा। यह पहला मौका है जब भारतियों को इस तरह बांध कर लाया गया हो। सत्तर साल में पहली बार! मगर इससे क्या? सत्तर साल में पहली बार ऐसे ही कई कारनामे हो चुके हैं। चीन आकर हमारी धरती पर 20 सैनिकों को शहीद करके वहीं बैठ जाता है। और प्रधानमंत्री कहते हैं न कोई घुसा है न कोई है। हजारों किलोमीटर जमीन पर कब्जा कर लेता है। सेना कहती है। मगर सरकार कहती है नहीं। कितनी ही घटनाएं हैं। नोटबंदी मारे गए परेशान लोगों की। कोई जवाब है? क्यों बंद किया था हजार का नोट और दो हजार का चलाया। और फिर उसे क्यों बंद किया? क्यों लाए गए काले किसान कानून? कितने किसान मरे। फिर वापस लिया। किसानों को खालिस्तानी, आतंकवादी, मवाली तक कहा। सत्तर साल में पहली बार। अचानक लाक डाउन करके हजारों किलोमीटर मजदूरों को पैदल दौड़ाया गया। सत्तर साल में पहली बार। पुलवामा में 50 से ज्यादा सुरक्षाकर्मी मरे। कैसे? आज तक किसी को नहीं पता। यह सब सत्तर साल में पहली बार हुआ है। मगर कोई कहने वाला नहीं। और ज्यादा सही यह है कि कोई कहे तो भी सुनने वाला कोई नहीं। गोदी मीडिया हर चीज का बचाव करती है। जनता को ही दोषी करार देती है। अभी दिल्ली रेल्वे स्टेशन पर हुई भगदड़ के बाद आरपीएफ ने अपनी रिपोर्ट में कहा कि अचानक प्लेटफार्म बदलने के कारण भगदड़ मची। और ये मौतें हुईं। मगर रेल मंत्रालय ने तत्काल इस रिपोर्ट का खारिज कर दिया। अपनी कोई गलती मानने का सवाल ही नहीं। जनता की गलती थी। ऐसे ही प्रयागराज कुंभ में हुई भगदड़ के लिए अभी तक कोई जिम्मेदारी तय नहीं हुई। उस पर भी विपक्ष पर निशाना साधा जा रहा है। जनता तो दोषी है ही। आज तक मरने वालों के सही आंकड़े नहीं बताए गए। बल्कि विधानसभा में मुख्यमंत्री योगी उर्दू और मौलवी का विषय ले आए। कठमुल्ला कह रहे हैं। यही वह राजनीति है जिस पर भाजपा को पूरा विश्वास है।

मेष राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज आपके मकान, प्लॉट, दुकान को खरीदने की इच्छा पूरी होगी। संतान को अच्छी नौकरी मिलने से माता-पिता काफी खुश नजर आएंगे, आपको काफी समय से चल रही किसी स्वास्थ्य संबंधी समस्या से छुटकारा मिलेगा। आज किसी भी व्यक्ति के लिए प्रतिशोध की भावना न रखें। जैसी आपकी सोच रहेगी, वैसे ही अनुभव मिलेंगे। आज आपको जिद से बचना होगा।

वृष राशि : आज का दिन आपके अनुकूल रहने वाला है। आज कार्यक्षेत्र में आपके सहकर्मी और सीनियर आपकी परफॉरमेंस से खुश रहेंगे और आपकी तारीफ करेंगे। आज सभी जरूरी काम आसानी से पूरा कर लेंगे। पिता ने व्यापार में जो जिम्मेदारियां दी हुई हैं उसे आप आसानी से निभा लेंगे।

मिथुन राशि : कार्यक्षेत्र में आज आपको काफी हद तक सफलता हासिल होगी। पारिवारिक मामलों में आज आपको शांत मन से सोचने की जरूरत है, परिणाम आपके पक्ष में रहेंगे। आज भाई अपने काम में आपकी मदद मांगेंगे। समाज में आज आप अपने बढ़िया कार्यों के कारण पहचाने जाएंगे। मेडिकल की पढ़ाई कर रहें छात्रों को सीनियर्स का सहयोग मिलेगा।

कर्क राशि : आज का दिन जीवन में एक नई दिशा लेकर आएगा। आज आप अपना ध्यान किसी रचनात्मक कार्य में लगायेंगे, जिससे आपका अनुभव और अधिक बढ़ेगा। कुछ विरोधी आपके काम में समस्याएं डालने की कोशिश कर सकते हैं। जीवनसाथी के प्रति आपको अपना स्वभाव सुधारना होगा। किसी को उधार देने से पहले सोच-विचार करना अच्छा रहेगा।

सिंह राशि : आज का दिन आपके लिए सुनहरा रहने वाला है। आपका विनम्र स्वभाव साराहा जाएगा। आपका धन कहां खर्च हो रहा है, इस पर आपको नजर बनाए रखने की जरूरत है, नहीं तो आने वाले समय में आपको पैसों की जरूरत पड़ सकती है। आज आपको बेवजह की उलझने लेने से बचने की जरूरत है। सामाजिक तौर पर आप बहुत सक्रिय रहेंगे। आपकी किसी नए काम को करने की इच्छा पूरी हो सकती है।

कन्या राशिः आज आपका दिन शानदार रहने वाला है। आज व्यापार की गति थोड़ी धीमी होने से उलझन होगी, लेकिन बाद में अच्छा लाभ मिलने से उनकी प्रसन्नता का ठिकाना नहीं रहेगा। आपका किसी नए वाहन को खरीदने का सपना आज पूरा होगा। आप आज किसी से अपने मन की बातों को शेयर करेंगे और वह आपकी बातों को अहमियत देगा।

तुला राशि : आज का दिन आपके लिए ठीक-ठाक रहने वाला है। आज आप खुद को बदली हुई भूमिका में महसूस करेंगे। पैसों का उपयोग सही तरीके से करेंगे। जीवन में संतुलन बनाए रखने की कोशिश करेंगे। आज किसी कामों को सही तरीके से पूरा करने की कोशिश करें। आपको अपने पद और आय को एक समान या बढ़ाने के अवसर प्राप्त होंगे। जीवन में खुशियों की प्राप्ति होगी।

वृश्चिक राशिः आज का दिन आपके लिए अनुकूल रहने वाला है। लोगों की नजरों में आपकी पॉजिटिव इमेज बनेगी। एक साथ कई काम हाथ लगने से आपको समझ नहीं आएगा कि किसे पहले करें और किसे बाद में। कंप्यूटर के स्टूडेंट्स को कुछ अच्छा सीखने का मौका मिलेगा। आज आप नई जिम्मेदारी लेने में थोड़ा संकोच करेंगे। जीवनसाथी के साथ बेहतर तालमेल बना रहेगा।

धनु राशि : आज का दिन आपके लिए उत्तम रहने वाला है। आज का दिन तरक्की के नए नये मार्ग खोलेगा। विद्यार्थी अपनी पढ़ाई पर पूरा फोकस बनाए रखें, जल्द ही आपको परीक्षा में सफलता हासिल होगी। प्राइवेट जॉब कर रहे लोगों को आज प्रमोशन मिल सकता है। परिवार के सदस्यों के साथ आप किसी मांगलिक उत्सव में सम्मिलित हो सकते हैं, जहां आप तोल मोलकर बोले, तो आपके लिए बेहतर रहेगा।

मकर राशि : आज का दिन आपके लिए अच्छा रहने वाला है। आज आप अपने व्यापार को आगे बढ़ाने के लिए कुछ ऐसी योजनाएं बनाएंगे, जिससे आपको फायदा ही फायदा होगा। पारिवारिक समस्याओं को सॉल्व करने में बड़े-बुजुर्गों का सहयोग प्राप्त होगा। कॉस्मेटिक का व्यापार कर रहे लोगों को आज बड़ा मुनाफा होगा।

कुंभ राशिः आज किस्मत का पूरा साथ मिलेगा। जो लोग बैंक में कार्य करते है वह आज अपना काम बहुत जल्द निपटा लेंगे। लवमेट आज साथ में समय बिताएंगे। रुका हुआ पैसा आपको वापस मिलेगा। आज आपके कार्यों की प्रशंसा दूर-दूर तक लोगों में इत्र की तरह महकेगी। आप सफलता की दिशा में एक कदम और आगे बढ़ जाएंगे।

मीन राशि : आज का दिन ठीक-ठाक रहने वाला है। आज ऑफिस में वर्कलोड बढ़ सकता है। जिसके लिए आपको ओवर टाइम करना पड़ेगा। रुपए- पैसों के मामले में लापरवाही नहीं करेंगे तो नुकसान से बच जाएंगे। टूर-एंड-ट्रेवल्स संबंधी कार्यों में अच्छा लाभ होगा।

प्रकाशक एवं स्वामी सागर सूरज, द्वारा सरोतर निवास, राजाबाजार-कचहरी रोड, मोतिहारी, बिहार-845401 से प्रकाशित व प्रकाश प्रेस मोतिहारी से मुद्रित, संपादक-सागर सूरज* फोन न.9470050309 प्रसारः-9931408109 ईमेलः-bordernewsmirror@gmail.com वेबसाइटः-bordernewsmirror.com (*पीआरबी अधिनियम के तहत खबरों के चयन के लिए जिम्मेवार) RNI. N. BIHBIL/2022/88070

एकदिवसीय प्रारुप में विराट सबसे बेहतर खिलाड़ी : पोंटिंग

सिडनी । ऑस्ट्रेलिया के पूर्व कप्तान रिकी पोंटिंग ने भारतीय क्रिकेट टीम के अनुभवी बल्लेबाज विराट कोहली की जमकर प्रशंसा की है। पोंटिंग ने कहा कि उन्होंने अपने करियर में विराट से अच्छा बल्लेबाज नहीं देखा है। पाकिस्तान के खिलाफ चैंपियंस ट्रॉफी मैच में दबाव के क्षणों में विराट ने ही शतक लगाकर भारतीय पारी को संभाला था। विराट की विपरीत हालातें में खेली इस पारी को देखकर पोंटिंग को कहना पड़ा है कि एकदिवसीय प्रारुप में विराट से बेहतर कोई भी खिलाड़ी नहीं है। पोंटिंग ने अहम अवसरों पर आगे आकर खेलने की कोहली की क्षमता और इस दौरान रिकॉर्ड तोड़ने की क्षमता को सर्वश्रेष्ठ बताया है। इस पूर्व कप्तान ने कहा, मैंने हमेशा कहा है कि बड़े

मैच बड़े नामों के बराबर होते हैं। आपको उन बड़े अवसरों पर अपने बड़े नामों को खड़ा करने की जरूरत होती है और भारत के लिए पाकिस्तान के खिलाफ मैच से बड़ा कोई मैच नहीं हो सकता। आपकी प्रतिष्ठा अंतरराष्ट्रीय मंच पर सबसे बड़ी प्रतियोगिताओं में आपके प्रदर्शन से बनती है। इसलिए मेरे लिए यह कोई आश्चर्य की बात नहीं है कि ऐसा हुआ है। विराट को लेकर उन्होंने कहा, पाकिस्तान ने मुश्किल विकेट पर पहले बल्लेबाजी की थी। इस तरह की मैच में जीतने वाली पारी खेलने के लिए शीर्ष क्रम में किसी की जरूरत थी और एक बार फिर कोहली ने इस काम को पूरा किया। वह बोले, , दोनो टीमों का स्कोर देखें तो एक में विराट ने शतक बनाया और दूसरे में कई पाकिस्तानी खिलाड़ियों ने शुरुआत हासिल की पर बड़ा स्कोर नहीं बनाया। मैंने हमेशा कहा है कि खेल के किसी भी प्रारूप में अर्धशतक से आप या आपकी टीम को कुछ नहीं मिलता। आपको बड़े स्कोर बनाने होते हैं। इस मैच में पाकिस्तान के लिए व्यक्तिगत बड़े स्कोर भी नहीं थे और ना ही बड़ी साझेदारियां थीं।

रोहित और शमी अगले मैच में खेलेंगे : श्रेयस अय्यर

मुम्बई । बल्लेबाज श्रेयस अय्यर ने कहा है कि कप्तान रोहित शर्मा और तेज मोहम्मद शमी फिट है और अगले मैच खेलेंगे। श्रेयस ने कहा कि कप्तान रोहित शर्मा की हैमस्ट्रिंग में खिंचाव की बातें सही नहीं हैं।वहीं मोहम्मद शमी की पिंडली में दर्द ठीक है। इन दोनों खिलाड़ियों की चोट के बाद प्रशंसकों की चिंताएं बढ़ गई थीं। पाकिस्तान की पारी के अंतिम ओवरों में जब रोहित गेंद पकड़ने के लिए दौड़ रहे थे, तो उन्हें असहज देखा गया था। तभी से ये आशंका हुई कि कप्तान को हैमस्ट्रिंग से जुड़ी समस्या हो सकती है। इस दौरान रोहित काफी देर तक मैदान से बाहर रहे पर अय्यर ने कहा कि यह कोई बड़ी समस्या नहीं है। उन्होंने बताया कि रोहित ने अपनी चोट के बारे में चिंता जताई थी, लेकिन वे सहज थे और इसे ज्यादा गंभीर नहीं मानते थे। वहीं शमी को पिंडली में दर्द महसूस हुआ, जिसके कारण उन्हें उपचार के

लिए मैदान से बाहर जाना पड़ा। शमी अब बेहतर महसूस कर रहे थे और उनकी स्थिति स्थिर थी। मैच के बाद श्रेयस अय्यर से इन दोनों खिलाड़ियों की चोट पर सवाल पूछा गया। उन्होंने दोनों के स्वास्थ्य को लेकर चिंता व्यक्त करने के बजाय यह कहा कि उनकी चोटों को लेकर कोई गंभीर चिंता की बात नहीं है। उन्होंने कहा, मुझे लगता है कि दोनों खिलाड़ी ठीक हैं और कोई समस्या नहीं है। मैंने उनसे बात की थी और वे दोनों ही इस बारे में बहुत सहज थे। चैंपियंस ट्रॉफी में भारत ने बांग्लादेश भारतीय टीम का अगला मुकाबला 2 मार्च को न्यूजीलैंड से होने वाला है।

कुलदीप को आने वाले मैचों में और बेहतर प्रदर्शन की उम्मीद

दुबई । भारतीय टीम के स्पिनर कुलदीप यादव पाकिस्तान के खिलाफ आईसीसी चैम्पियंस ट्रॉफी के पहले मैच में अच्छी गेंदबाज करने से उत्साहित हैं। कुलदीप ने इस मैच में तीन विकेट लेकर भारतीय टीम की जीत में अहम भूमिका निभाई थी। कुलदीप ने पहले मैच में बांग्लादेश के खिलाफ भी प्रभावी गेंदबाजी की थी हालांकि उन्हें कोई विकेट नहीं मिला था। कुलदीप ने अपनी लय हासिल कर ली है और उन्हें उम्मीद है कि अब वह इस टूर्नामेंट के बाकि मैचों में भी अच्छा प्रदर्शन करेंगे। कुलदीप पिछले साल स्पोर्ट्स हर्निया की सर्जरी के बाद से ही तीन महीने से अधिक समय तक खेल से दूर रहे थे। इस कारण उनकी फार्म को लेकर संदेह जताया जा रहा था। कुलदीप ने कहा, ' सर्जर के बाद फिट होने में तकरीबन छह महीने लगते हैं। मैंने इंग्लैंड के खिलाफ दो मैच खेले। उनमें मेरी लय अच्छी थी। बांग्लादेश के खिलाफ भी मेरी लय अच्छी थी। कुलदीप पहले मैच में विकेट हासिल नहीं कर पाए थे। उन्होंने कहा, 'लेकिन स्वाभाविक है कि आप हमेशा विकेट हासिल करने की तलाश में रहते हैं। पाक के खिलाफ जब मैंने अपना पहला ओवर डाला, तो मुझे लगा कि मैं बेहतर लय में हूं। मैं आरामदायक स्थिति में हूं। कुलदीप ने कहा, 'मुझे लगता है कि मैं इससे भी बेहतर गेंदबाजी कर सकता हूं। मैंने चोट से वापसी करने के बाद अभी तक तीन-चार मैच खेले हैं। मैं जितने अधिक मैच खेलूंगा उतनी ही अच्छी गेंदबाजी करूंगा उतना ही बेहतर होता जाउंगा। कुलदीप ने पाकिस्तान के निचले क्रम के बल्लेबाजों

सलमान आगा, शाहीन अफरीदी और नसीम शाह के विकेट लिए। अपनी रणनीति के बारे में कुलदीप ने कहा, 'अपने पहले स्पैल में मैंने काफी चाइनामैन गेंदबाजी की। अपनी गेंदबाजी में विविधता लाने के लिए मैं गुगली भी करता हूं। इसके अलावा मैंने टॉप स्पिन भी की। कुलदीप ने डेथ ओवरों में गेंदबाजी करने के बारे में कहा, 'मैं अंतिम 10 ओवरों में गेंदबाजी करने के लिए पहली पसंद बनने के लिए अपने को साबित करने का प्रयास कर रहा हूं। कप्तान भी मानते हैं अगर आपके पास विविधता है तो स्पिनर पर शॉट मारना मुश्किल होता है।

चेन्नई सुपर किंग्स ने श्रीधरन को बनाया सहायक कोच

मुम्बई । चेन्नई सुपर किंग्स (सीएसके) टीम ने आईपीएल के 2025 सत्र के लिए सहायक गेंदबाजी कोच श्रीधरन श्रीराम को शामिल किया है। श्रीराम पूर्व भारतीय क्रिकेटर हैं, और उन्होंने भारतीय टीम के लिए 2000 से 2004 के बीच आठ वनडे मैच खेले थे। हालांकि उन्हें भारतीय टीम में ज्यादा मौके नहीं मिले, लेकिन घरेलू क्रिकेट में उनका प्रभाव था और वे एक शानदार ऑलराउंडर रहे हैं। श्रीराम की नियुक्ति सीएसके के लिए एक महत्वपूर्ण कदम साबित हो सकती है, क्योंकि उनकी गेंदबाजी समझ और अनुभव सीएसके के बॉलर को और भी बेहतर बना सकता है। सीएसके पास महेन्द्र सिंह धोनी के अलावा रवींद्र जडेजा, शिवम दुबे, मथीशा पथिराना जैसे अहम खिलाड़ी हैं। सीएसके के प्रशंसकों में इस बार काफी उत्साह है सीएसके ने इस बार के मेगा नीमी में कई बड़े खिलाड़ी खरीदे हैं, जिनमें दिग्गज स्पिन गेंदबाज आर अश्विन का नाम प्रमुख है। अश्विन के होने से गेंदबाजी आक्रमण को मजबूती मिलेगी। टीम के पास नए खिलाड़ी जैसे नूर अहमद, खलील अहमद, और राहुल त्रिपाठी भी हैं जिससे उसे काफी उम्मीदें हैं। सीएसके की टीम में कई अनुभवी और युवा खिलाड़ी हैं जिससे वह अलग-अलग परिस्थितियों में बेहतर प्रदर्शन करने में सक्षम होगी।

टीम इस प्रकार है :

रुतुराज गायकवाड़ , पथिराना , शिवम दुबे , नूर अहमद , रविन्द्र जडेजा , रविचंद्रन अश्विन , डेवोन कॉनवे , खलील अहमद , रचिन रवींद्र , एमएस धोनी ,राहुल त्रिपाठी , अंशुल कंबोज , सैम करन।

सिद्धू ने विराट की जमकर प्रशंसा की

दुबई । भारतीय टीम के पूर्व क्रिकेटर नवजोत सिंह सिद्धू ने विराट कोहली की प्रशंसा करते हुए कहा है कि वह आने वाले समय में 10 से 15 शतक और लगा सकते हैं। सिद्धू ने कहा कि विराट ने जिस प्रकार चैंपियंस ट्रॉफी के अहम मुकाबले में पाकिस्तान के खिलाफ शतक लगाया उससे पता चलता है कि उनमें अभी काफी क्रिकेट बचा है। भारत के पावरप्ले में एक विकेट गिरने के बाद बल्लेबाजी करने आए विराट कोहली ने दबाव के हालातों में भी शतक लगा दिया। इस पूर्व क्रिकेटर ने कहा, चरित्र संकट में नहीं बनता बल्कि दिखता है। विराट जोश और जुनून से भरा हुआ है और इस शतक के बाद मैं पूरे विश्वास के साथ कह सकता हूं कि यह व्यक्ति अगले 2 या 3 साल तक खेलेगा और वह 10 या 15 शतक और लगाएगा। किसी के लिए भी सबसे बड़ा परीक्षण यह है कि वह कठिन समय से कैसे गुजरता है और वह कैसे कठिनाइयों को

अपनाता है। सिद्धू ने कहा, पिछले छह महीनों में इतना कुछ हुआ है कि उसने अपना पल चुन लिया। जब उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ रन बनाए तो लोग इसे एक दशक तक नहीं भूलेंगे। कोहली ने साल 2008 में श्रीलंका के खिलाफ भारत के लिए डेब्यू किया था। उन्होंने पाकिस्तान के खिलाफ शतक बनाने के साथ ही 14,000 रन बनाने का आंकड़ा भी पार कर लिया है। वह सचिन तेंदुलकर और कुमार संगकारा के बाद ऐसा करने वाले तीसरे बल्लेबाज हैं। कोहली को यह उपलब्धि हासिल करने में 298वें वनडे मैच का सफर तय करना पड़ा है। उन्होंने एकदिवसीय में अब तक 73 अर्धशतक और 50 से अधिक शतक बनाए हैं। सिद्धू ने कहा, वह रनों के लिए भूखा था। पाक के खिलाफ दबाव के बीच ये पारी ऐसी थी, जिसे लेकर हम जरूर कह सकते हैं कि वह अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट में आसानी से अगले 3 से 4 साल में नए रिकार्ड स्थापित करेंगे।

व्यापार

शुरुआती कारोबार में शेयर बाजार में तेजी, सेंसेक्स और निफ्टी उछले

नई दिल्ली । घरेलू शेयर बाजार में आज शुरुआती कारोबार के दौरान तेजी का रुख बना हुआ नजर आ रहा है। आज के कारोबार की शुरुआत मामूली गिरावट के साथ हुई थी। बाजार खुलने के बाद खरीदारों ने लिवाली शुरू कर दी, जिसके कारण शेयर बाजार की चाल में तेजी आ गई। पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सेंसेक्स 0.37 प्रतिशत और निफ्टी 0.20 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद स्टॉक मार्केट के दिग्गज शेयरों में से महिंद्रा एंड महिंद्रा, भारती एयरटेल, बजाज फिनसर्व, बजाज फाइनेंस और अडाणी इंटरप्राइजेज के शेयर 2.28 प्रतिशत से लेकर 0.94 प्रतिशत की मजबूती के साथ कारोबार कर रहे थे। दूसरी ओर हिंडाल्को इंडस्ट्रीज, पावर ग्रिड कॉरपोरेशन, कोल इंडिया, डॉ रेड्डीज लेबोरेट्रीज और ट्रेंट लिमिटेड के शेयर 3.79 प्रतिशत से लेकर 0.95 प्रतिशत की गिरावट के साथ कारोबार कर रहे थे। अभी तक के कारोबार में स्टॉक मार्केट में 2,417 शेयरों में एक्टिव ट्रेडिंग हो रही थी। इनमें से 1,651 शेयर मुनाफा कमा कर हरे निशान में कारोबार कर रहे थे, जबकि 766 शेयर नुकसान उठा कर लाल निशान

में कारोबार कर रहे थे। इसी तरह सेंसेक्स में शामिल 30 शेयरों में से 19 शेयर लिवाली के सपोर्ट से हरे निशान में बने हुए थे। दूसरी ओर 11 शेयर बिकवाली के दबाव में लाल निशान में कारोबार कर रहे थे। जबकि निफ्टी में शामिल 50 शेयरों में से 30 शेयर हरे निशान में और 20 शेयर लाल निशान में कारोबार करते नजर आ रहे थे। बीएसई का सेंसेक्स आज 14.11 अंक की मामूली कमजोरी के साथ 74,440.30 अंक के स्तर पर खुला। बाजार खुलते ही हुई मामूली बिकवाली के कारण ये सूचकांक फिसल कर 74,400.37 अंक तक आ गया। इसके थोड़ी ही देर बाद खरीदारों ने लिवाली का जोर बना दिया, जिसकी वजह से इस सूचकांक ने उछल कर हरे निशान में अपनी जगह बना ली। बाजार में लगातार जारी खरीद बिक्री के बीच पहले 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे सेंसेक्स 273.13 अंक की मजबूती के साथ 74,727.54 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। सेंसेक्स की तरह ही एनएसई के निफ्टी ने आज 36.90 अंक टूट कर 22,516.45 अंक के स्तर से कारोबार की शुरुआत की। बाजार खुलते ही खरीदारी का सपोर्ट मिलने के कारण इस सूचकांक की चाल में तेजी आ गई। लगातार हो रही खरीदारी के सपोर्ट से पहले आधे घंटे के कारोबार के बाद ही ये सूचकांक उछल कर 22,625.30 अंक तक पहुंच गया। हालांकि इसके बाद हुई मामूली बिकवाली के कारण इस सूचकांक की चाल में गिरावट भी आई। बाजार में लगातार जारी लिवाली और बिकवाली के बीच शुरुआती 1 घंटे का कारोबार होने के बाद सुबह 10:15 बजे निफ्टी 44.15 अंक की बढ़त के साथ 22,597.50 अंक के स्तर पर कारोबार कर रहा था। इसके पहले पिछले कारोबारी दिन सोमवार को सेंसेक्स 856.65 अंक यानी 1.14 प्रतिशत की कमजोरी के साथ 74,454.41 अंक के स्तर पर बंद हुआ था। वहीं निफ्टी ने 242.55 अंक यानी 1.06 प्रतिशत की गिरावट के साथ 22,553.35 अंक के स्तर पर सोमवार के कारोबार का अंत किया था।

सर्राफा बाजार में तेजी, सोना 88 हजार पार

नई दिल्ली । घरेलू सर्राफा बाजार में आज तेजी का रुख है। इस तेजी के कारण देश के कई हिस्सों में 24 कैरेट सोना आज 88 हजार रुपये के स्तर को पार कर गया। देश के ज्यादातर सर्राफा बाजारों में 24 कैरेट सोना आज 87,880 रुपये से लेकर 88,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के दायरे में कारोबार कर रहा है। इसी तरह 22 कैरेट सोना आज 80,550 रुपये से लेकर 80,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के बीच बिक रहा है। चांदी की कीमत में भी आज 600 रुपये की तेजी आई है। इस तेजी के कारण ये चमकीली धातु दिल्ली सर्राफा बाजार में आज 1,01,000 रुपये प्रति किलोग्राम के स्तर पर ही कारोबार कर रही है। देश की राजधानी दिल्ली में 24 कैरेट सोना 88,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है, जबकि 22 कैरेट सोने की कीमत 80,700 रुपये प्रति 10 ग्राम दर्ज की गई है। वहीं देश की आर्थिक राजधानी मुंबई में 24 कैरेट सोना 87,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह अहमदाबाद में 24 कैरेट सोने की रिटेल कीमत 87,930 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोने की कीमत 80,600 रुपये प्रति 10 ग्राम

दर्ज की गई है। इन प्रमुख शहरों के अलावा चेन्नई में 24 कैरेट सोना आज 87,880 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर और 22 कैरेट सोना 80,550 रुपये प्रति 10 ग्राम की कीमत पर बिक रहा है। इसी तरह कोलकाता में भी 24 कैरेट सोना 87,880 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। लखनऊ के सर्राफा बाजार में 24 कैरेट सोना आज 88,030 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर और 22 कैरेट सोना 80,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। वहीं पटना में 24 कैरेट सोने की कीमत 87,930 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर है, जबकि 22 कैरेट सोना 80,600 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। इसी तरह जयपुर में 24 कैरेट सोना 88,030 रुपये प्रति 10 ग्राम और 22 कैरेट सोना 80,700 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है। देश के अन्य राज्यों की तरह कर्नाटक, तेलंगाना और ओडिशा के सर्राफा बाजार में भी आज सोने के भाव में तेजी आई है। इन तीनों राज्यों की राजधानियों बेंगलुरु, हैदराबाद और भुवनेश्वर में 24 कैरेट सोना आज 87,880 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर कारोबार कर रहा है। इसी तरह इन तीनों शहरों के सर्राफा बाजारों में 22 कैरेट सोना 80,550 रुपये प्रति 10 ग्राम के स्तर पर बिक रहा है।

रिलायंस अगले पांच वर्ष में असम में 50 हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगी : मुकेश अंबानी

गुवाहाटी / नई दिल्ली। देश के दिग्गज उद्योगपति एवं रिलायंस इंडस्ट्रीज लिमिटेड (आरआईएल) के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने मंगलवार को पूर्वोत्तर के राज्य असम में निवेश का बड़ा ऐलान किया। मुकेश अंबानी ने कहा कि उनकी कंपनी अगले 5 साल में असम में पांच अलग-अलग क्षेत्रों में 50 हजार करोड़ रुपये का निवेश करेगी। रिलायंस इंडस्ट्रीज के चेयरमैन मुकेश अंबानी ने गुवाहाटी में एडवांटेज असम 2.0 निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर समिट 2025 में कहा कि असम को प्रौद्योगिकी और एआई के लिए तैयार करने के लिए धन का निवेश किया जाएगा। उन्होंने कहा, ''2018 के निवेश शिखर सम्मेलन में मैंने 5 हजार करोड़ रुपये के निवेश की घोषणा की थी। अंबानी ने कहा कि तब से निवेश 12 हजार करोड़ रुपये को पार कर गया है। यह राशि चौगुनी हो जाएगी और हम अगले

पांच वर्ष में 50 हजार करोड़ रुपये का निवेश करेंगे।'' मुकेश अंबानी ने कहा कि जिन क्षेत्रों में यह राशि लगाई जाएगी, उनमें हरित एवं परमाणु ऊर्जा, खाद्य और गैर-खाद्य उत्पादों की आपूर्ति श्रृंखला तथा रिलायंस के खुदरा स्टोर का विस्तार शामिल है। उन्होंने कहा, "रिलायंस असम में बंजर भूमि पर संपीडित बायोगैस या सीबीजी के दो विश्व स्तरीय केंद्र बनाएगी। इनसे सालाना 8 लाख टन स्वच्छ बायोगैस का उत्पादन होगा, जो हर दिन 2 लाख यात्री वाहनों को ईंधन देने के लिए पर्याप्त है।"

टाटा समूह असम में इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण इकाई हरित ऊर्जा में करेगा निवेश: चंद्रशेखरन

गुवाहाटी / नई दिल्ली । टाटा समूह के चेयरमैन नटराजन चंद्रशेखरन ने मंगलवार को असम में बड़े निवेश का ऐलान किया है। चंद्रशेखरन ने कहा कि कंपनी अगले कुछ साल में असम में एक बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण इकाई में निवेश करेगी। इसके साथ ही हरित ऊर्जा क्षेत्र में राज्य सरकार के साथ सहयोग करेगी। चंद्रशेखरन ने एडवांटेज असम 2.0 निवेश और इंफ्रास्ट्रक्चर शिखर सम्मेलन 2025 के उद्घाटन के अवसर पर कहा कि टाटा समूह का असम के साथ पुराना और महत्वपूर्ण संबंध है। राज्य के प्रति समूह की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए यह जल्द ही एक और बड़ी इलेक्ट्रॉनिक्स विनिर्माण इकाई में

निवेश करेगा। इस परियोजना में असम में लगभग 27,000 करोड़ रुपये का निवेश होगा, जिससे 30,000 नौकरियां पैदा होंगी। उन्होंने जागीरोड में स्थापित होने वाली 27 हजार करोड़ रुपये की सेमीकंडक्टर इकाई को ''राज्य में अब तक का सबसे महत्वपूर्ण निवेश'' करार दिया। टाटा समूह के चेयरमैन ने कहा कि राज्य के प्रति समूह की प्रतिबद्धता को आगे बढ़ाते हुए वह जल्द ही एक अन्य बड़ी इलेक्ट्रॉनिक विनिर्माण इकाई में निवेश करेगा।

मारुति सुजुकी ने हरियाणा के खरखौदा संयंत्र में शुरू किया उत्पादन

नई दिल्ली । देश की अग्रणी कार निर्माता कंपनी मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) ने मंगलवार को कहा कि हरियाणा के खरखौदा प्लांट में उसने वाणिज्यिक उत्पादन शुरू कर दिया है। कंपनी के खरखौदा प्लांट की वार्षिक उत्पादन क्षमता 2.5 लाख इकाई होगी। यहां कॉम्पैक्ट एसयूवी ब्रेजा का उत्पादन किया जाएगा। कंपनी ने एक बयान में कहा कि हरियाणा के खरखौदा प्लांट में व्यावसायिक उत्पादन शुरू हो गया है। इस प्लांट की आधारशिला प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने ऑनलाइन माध्यम से अगस्त 2022 में रखी थी। एमएसआईएल ने कहा कि शुरुआत में खरखौदा संयंत्र की वार्षिक उत्पादन क्षमता 2.5 लाख इकाई होगी। कंपनी का हरियाणा में यह तीसरा संयंत्र है। मारुति सुजुकी

ने बताया कि खरखौदा प्लांट में कॉम्पैक्ट एसयूवी ब्रेजा का उत्पादन किया जाएगा। इसके साथ ही मारुति सुजुकी की कुल वार्षिक उत्पादन क्षमता 26 लाख इकाई सालाना हो जाएगी। इस आंकड़े में सुजुकी मोटर गुजरात (कंपनी की पूर्ण स्वामित्व वाली अनुषंगी कंपनी) की उत्पादन क्षमता को भी शामिल किया गया है। एमएसआईएल के खरखौदा प्लांट के अलावा भारत में तीन और प्लांट हैं, जिसमें हरियाणा के (गुरुग्राम और मानेसर) में दो और गुजरात (हंसलपुर) में एक प्लांट है। मारुति अपनी उत्पादन क्षमता बढ़ा रही है, क्योंकि उसकी योजना वित्त वर्ष 2030-31 में 40 लाख इकाई की उत्पादन क्षमता हासिल करने की है। उल्लेखनीय है कि मारुति सुजुकी इंडिया लिमिटेड (एमएसआईएल) जापानी ऑटोमेकर सुजुकी मोटर कॉर्पोरेशन की सार्वजनिक रूप से सूचीबद्ध भारतीय सहायक कंपनी है। यह देश की अग्रणी कार निर्माता कंपनी है, जो छोटी कारों में विशेषज्ञता रखती है। इस कंपनी की स्थापना भारत सरकार ने फरवरी 1981 में मारुति उद्योग लिमिटेड के रूप में सुजुकी के साथ मिलकर एक संयुक्त उद्यम के रूप में की थी, जो भारत में निवेश करने वाली पहली जापानी ऑटोमेकर और साथ ही पहली प्रमुख विदेशी ऑटोमेकर बन गई।

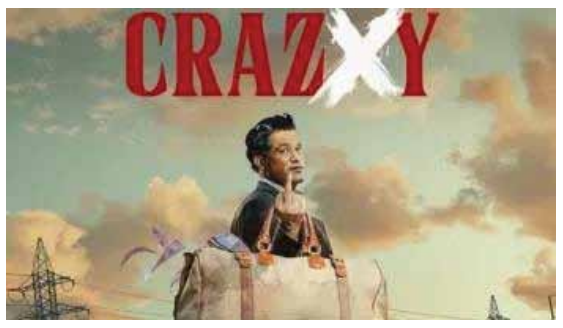

'क्रैज़ी' का नया गाना 'गोली मार भेजे में' रिलीज, 28 फरवरी को सिनेमाघरों में

2025 की मोस्ट अवेटेड फिल्मों में से एक 'क्रेजी' की रिलीज़ का काउंटडाउन शुरू हो चुका है और इसी एक्साइटमेंट को और बढ़ाने के लिए आज फिल्म का नया धमाकेदार गाना 'गोली मार भेजे में' रिलीज़ कर दिया गया है। फिल्म की रिलीज में अब बस 4 दिन बाकी हैं और 28 फरवरी को सिनेमाघरों में धमाका होने वाला है। सोहम शाह ने अपनी फिल्म के गानों को प्रमोट करने के लिए हमेशा कुछ हटकर तरीका अपनाया है। हर गाने के जरिए एक स्टोरी टेलिंग और इमर्सिव विज़ुअल एक्सपीरियंस देने का ट्रेंड उन्होंने सेट किया है। "गोली मार भेजे में" भी इसी थॉट प्रोसेस को आगे बढ़ा रहा है। फिल्म 'क्रैज़ी' का नया गाना 'गोली मार भेजे में' रिलीज़ होते ही धमाल मचा रहा है। हाई-एनर्जी और दीवानगी से भरपूर यह ट्रैक ना सिर्फ प्लेलिस्ट्स बल्कि डांस फ्लोर्स पर भी राज करने वाला है। जबरदस्त बीट्स और कैची रिदम के साथ यह गाना फिल्म की वाइल्ड, अनटेम्ड स्पिरिट को पूरी तरह से कैप्चर करता है। इस गाने का म्यूजिक वीडियो भी कुछ कम नहीं। गाने का मैडनेस और क्रेजी वाइब्स फिल्म की थीम से पूरी तरह मेल खाते हैं, जिससे यह गाना फैंस के लिए और भी एक्साइटिंग हो गया है। सोशल मीडिया पर फैंस इसे लेकर जबरदस्त एक्साइटमेंट दिखा रहे हैं। 'क्रैज़ी' की रिलीज़ में सिर्फ 5 दिन बाकी हैं, और ये नया गाना बड़े पर्दे पर आने वाली दीवानगी का परफेक्ट ट्रेलर है। सोहम शाह की क्रेजी बॉलीवुड थ्रिलर जॉनर में एक नया मुकाम तय कर रही है। जबरदस्त विजुअल्स, दमदार सिनेमैटोग्राफी और रोंगटे खड़े कर देने वाले थ्रिल के साथ ये फिल्म दर्शकों को एक क्रेजी से भरी राइड पर ले जाने का वादा करती है। गिरीश कोहली द्वारा लिखित और निर्देशित इस फिल्म को सोहम शाह, मुकेश शाह, अमिता शाह और आदेश प्रसाद ने प्रोड्यूस किया है, जबकि अंकित जैन को-प्रोड्यूसर हैं। क्रेजी 28 फरवरी को सिनेमाघरों में रिलीज होने वाली है।

49 साल की सुष्मिता सेन करना चाहती हैं शादी

बोलीं- दिल का रिश्ता बहुत रोमांटिक होता है, शादी करने लायक भी कोई मिलना चाहिए

सुष्मिता सेन ने हाल ही में अपने इंस्टाग्राम लाइव सेशन के जरिए फैंस और फॉलोअर्स के साथ बातचीत की। इस दौरान उन्होंने शादी पर अपने विचार भी शेयर किए। उन्होंने कहा वह शादी तो करना चाहती हैं, लेकिन कोई सही जीवनसाथी मिलना चाहिए। दरअसल, इंस्टाग्राम पर लाइव सेशन के दौरान सुष्मिता सेन ने बताया कि उन्होंने जयपुर में एक शादी अटेंड की थी। इस पर एक यूजर ने सुष्मिता से उनकी शादी को लेकर ही सवाल पूछ लिया। जिसका जवाब देते हुए उन्होंने कहा- 'मैं भी शादी करना चाहती हूं। मिलना चाहिए न कोई शादी करने लायक। ऐसे थोड़ी होती है शादी। कहते हैं न, बहुत रोमांटिक तरीके से तो दिल का रिश्ता होता है। दिल तक बात तो पहुंचनी चाहिए न। शादी भी कर लेंगे।

रोहमन शॉल को डेट कर रही थीं सुष्मिता- सुष्मिता सेन ने ढाई साल तक मॉडल रोहमन शॉल को डेट किया था। दोनों के बीच 15 साल का अंतर था। दोनों लिव-इन रिलेशनशिप में भी रहे थे। रोहमन की सुष्मिता की दोनों बेटियों, रेनी और अलीशा, के साथ भी बेहतरीन बॉन्डिंग है। लेकिन साल 2021 में दोनों का ब्रेकअप हो गया था। इस बात की जानकारी खुद सुष्मिता ने इंस्टाग्राम पोस्ट के जरिए दी थी। उन्होंने लिखा था- 'हमने दोस्त के रूप में शुरुआत की, हम दोस्त बने रहे!! रिश्ता बहुत पुराना हो गया था...प्यार बाकी है। हालांकि, अब भी दोनों के कई बार साथ में देखा जाता है।

ललित मोदी के साथ भी जुड़ा था नाम- इसके बाद, 2022 में सुष्मिता का नाम आईपीएल के फाउंडर और पूर्व अध्यक्ष ललित मोदी के साथ जुड़ा था। मोदी ने दोनों की साथ में कई फोटोज इंस्टाग्राम पर शेयर कीं और एक्ट्रेस को अपनी बेटर हाफ के तौर पर इंट्रोड्यूस किया था। हालांकि, कुछ समय बाद ही उनका ब्रेकअप भी हो गया। मोदी ने अपने इंस्टाग्राम बायो और डिस्प्ले पिक्चर्स से सुष्मिता का नाम हटा दिया। सुष्मिता ने 2023 में रिश्ते के बारे में बात की और मिड-डे को दिए एक इंटरव्यू में इसे बस एक फेज बताया था।

1994 में मिस यूनिवर्स, 96 में बॉलीवुड डेब्यू- सुष्मिता सेन को 1994 में मिस यूनिवर्स चुना गया था। उन्होंने 1996 में फिल्म दस्तक से बॉलीवुड में अपनी शुरुआत की। उन्होंने बीवी नंबर 1, डू नॉट डिस्टर्ब, मैं हूं ना, मैंने प्यार क्यों किया और तुमको ना भूल पाएंगे और नो प्रॉब्लम जैसी फिल्मों में काम किया है। सुष्मिता सेन को आखिरी बार वेब सीरीज आर्या -3 में देखा गया है। सुष्मिता सेन दो बेटियों अलीसा और रेनी की सिंगल मॉम हैं। सेन ने 2000 में रेनी को गोद लिया, जबकि अलीसा 2010 में सुष्मिता के घर आईं।

फ्लाइट में राहुल मोदी संग दिखीं श्रद्धा कपूर, फोटो वायरल

श्रद्धा कपूर काफी समय से मशहूर लेखक राहुल मोदी के साथ अपने अफेयर को लेकर सुर्खियों में हैं। एक खबर के मुताबिक, दोनों साल के अंत तक शादी के बंधन में बंध सकते हैं। हाल ही में श्रद्धा और राहुल को अहमदाबाद एयरपोर्ट पर एक साथ स्पॉट किया गया था। अब उनकी नई तस्वीरें सोशल मीडिया पर वायरल हो रही हैं, जिसमें यह जोड़ी फ्लाइट में सफर करती नजर आ रही है। नई तस्वीरों में श्रद्धा कपूर और राहुल मोदी को फ्लाइट में एक-दूसरे के करीब बैठे देखा जा सकता है। श्रद्धा अपने फोन में राहुल को कुछ दिखा रही हैं और इस दौरान दोनों ने मैचिंग आउटफिट पहने हुए हैं। राहुल हिंदी सिनेमा के मशहूर लेखक हैं। श्रद्धा से उनकी पहली मुलाकात फिल्म 'तू झूठी मैं मक्कार' के सेट पर हुई थी। साथ काम करते-करते दोनों एक-दूसरे को बेहतर जानने लगे और फिर उनकी दोस्ती और गहरी हो गई।

आलिया भट्ट ने प्रोडक्शन हाउस के लिए किराए पर ली जगह

बॉलीवुड अभिनेत्री और कपूर परिवार की बहू आलिया भट्ट की अपनी प्रोडक्शन कंपनी है। उनकी प्रोडक्शन कंपनी का नाम 'इटरनल सनशाइन प्रोडक्शंस' है। आलिया की मां सोनी राजदान भट्ट और बहन शाहीन भट्ट दोनों इस कंपनी का प्रबंधन करती हैं। आलिया ने हाल ही में अपने प्रोडक्शन हाउस के लिए एक नया स्थान किराए पर लिया है। इसके लिए उसे हर महीने लाखों रुपए चुकाने होंगे। बांद्रा में पाली हिल एक बहुत ही पॉश इलाके में है। यहा कई मशहूर हस्तियों के घर और कार्यालय भी हैं। मीडिया रिपोर्ट्स के मुताबिक, आलिया ने अपने प्रोडक्शन हाउस के लिए पाली हिल में एक जगह भी किराए पर ली है। इसका मासिक किराया 9 लाख रुपये है। साथ ही, यह किराया हर साल 5 प्रतिशत बढ़ेगा। यह स्थान पाली हिल में नरगिस दत्त रोड पर एक वास्तु भवन की छठी मंजिल पर स्थित है। दिलचस्प बात यह है कि आलिया फिलहाल अपने परिवार के साथ इसी बिल्डिंग में रहती हैं। रिपोर्ट के मुताबिक आलिया की कंपनी ने यह 4 साल के लिए किराये पर लिया है। इस समझौते पर 21 फरवरी को हस्ताक्षर किये गये। आलिया की कंपनी ने यह संपत्ति नरेंद्र शेट्टी से ली है। इसके लिए उन्होंने 36 लाख रुपए की जमा राशि भी दी है। आलिया के प्रोडक्शन हाउस के तहत अब तक कई फिल्में रिलीज हो चुकी हैं। 'डार्लिंग्स' उनकी पहली फिल्म थी जिसका निर्माण आलिया ने किया था। उन्होंने इसमें अभिनय भी किया है। इसके अलावा उन्होंने पिछले साल आई 'जिगरा' को भी प्रोड्यूस किया था और इसमें आलिया ने एक्टिंग भी की थी। आलिया ने इस प्रोडक्शन कंपनी की शुरुआत 2019 में की थी।

AAP Delhi liquor policy led to Rs 2,002 crore revenue loss

Agency: A report by the Comptroller and Auditor General of India (CAG) has revealed that implementation of the now-scrapped liquor policy by the former Aam Aadmi Party-led government in Delhi resulted in an overall Rs 2,002 crore revenue loss. The report was tabled in the Delhi Assembly today by Chief Minister Rekha Gupta as AAP MLAs opposed its presentation, leading to their suspension. The liquor policy scam, which involved massive financial irregularities in its formulation, led to the arrests of top AAP leaders, including party chief Arvind Kejriwal, his former deputy Manish Sisodia, Rajya Sabha MP Sanjay Singh and former Delhi Minister Satyendar Jain. The incumbent BJP government in Delhi has announced that it would table all the 14 pending CAG reports during the ongoing Assembly session. Meanwhile, the CAG report on the liquor policy, which covered a period of four years from 2017-18 to 2020-21, also revealed that the Delhi government faced a revenue loss of approximately Rs 890 crore due to failure to re-tendering surrendered licences, while delay in action led to losses worth Rs 941 crore due to exemptions granted to zonal licensees. One of the most controversial findings was a Rs 144 crore waiver granted to licensees for the period between December 28, 2021, and January 27, 2022, citing Covid-19 restrictions. The CAG noted that this waiver went against the Excise Department's own stance, leading to further revenue loss. Additionally, incorrect collection of security deposits from zonal licensees resulted in a Rs 27 crore shortfall. The audit report found that the Kejriwal-led AAP government could not ensure the implementation of Rule 35 of the Delhi Excise Rules, 2010, which prohibits the issuing of multiple licences. While some retailers retained licences until the expiration of the policy, others surrendered them early. There was also no provision for licence holders to give advance notice before surrendering, which led to supply disruptions. Meanwhile, the government also issued licences without checking the requirements related to the Excise Terms and Conditions, the report claimed. "It was observed that licences were issued without ensuring solvency, submission of audited financial statements and data regarding sales, and verification of criminal antecedents," it added. The CAG report said that after analysing the price and sale of a few Indian-made foreign liquor (IMFL) brands revealed that discretionary ex-distillery price (EDP) led to a decline in sales, as well as consequent revenue loss.

"The Excise Department allowed L1 licence holders to declare its EDP for liquor priced above a certain level. However, all the price components after manufacture, including profits of the manufacturer, were added later," the report said. "This discretion led to the L1 licensee to manipulate the price of liquor to its own advantage." The report said the CAG observed a number of instances where liquor test reports were not compliant with the specifications mentioned under the Bureau of Indian Standard. "Important test reports of water quality, harmful ingredients, heavy metal, methyl alcohol, microbiological substances were not submitted for various brands," the report said, adding that some of the tests which were conducted were not carried out by authorised labs. "Fifty-one per cent of test reports of foreign liquor were older than a year, or the date was not mentioned," it said. The Delhi Assembly witnessed a stormy session today as AAP MLA's resorted to sloganeering against the BJP ahead of the Chief Minister tabling the report today. As a result, 12 legislators, including former Chief Minister Atishi, were suspended for the day.

CAG Report Summary

- ***Liquor Policy Mess:*** *Lost 2,026 crore due to shady licenses and rule-bending under AAP excise policy.*
- ***Sheesh Mahal Scandal:*** *CM residence renovation soared from 7.61 crore to 33.66 crore with questionable spending*
- ***Mohalla Clinics Flop:*** *Only 523 of 1,000 clinics opened; 35.16 crore allocated, but just 9.78 crore spent.*
- ***DTC's 60,000 Crore Loss:*** *Bus system losses spiked from 25,000 crore to 60,000 crore due to mismanagement*
- ***Air Pollution Fail:*** *Funds for clean tech went unused (amount unspecified)*
- ***Education & Health Gaps:*** *Schools got 1,200 crore yearly but left 300-400 crore unspent; health got 289 crore, with 87-116 crore unused.*

Ex-Congress MP Sajjan Kumar sentenced to life in jail in *anti-Sikh riots case*

Agency: Former Congress MP Sajjan Kumar has been sentenced to life imprisonment for his role in the killings of two Sikhs during the 1984 anti-Sikh riots in Delhi. This marks the second life sentence for Kumar, who is already serving time for his involvement in the Delhi Cantonment riots case. Apart from life imprisonment, Kumar has been sentenced to two years under Section 147 for rioting, three years and a fine under Section 148 for rioting with deadly weapons, and seven years under Section 308 for attempting culpable homicide with intent to cause death or serious harm. The verdict, delivered by the Rouse Avenue Court, holds Kumar responsible for leading a mob and inciting it to kill Jaswant Singh and his son, Tarundeep Singh, in the Saraswati Vihar area of Delhi on November 1, 1984. During the hearing in the case, the prosecution said the mob, led by Kumar and armed with weapons, resorted to large-scale looting, arson and destruction of properties of Sikhs. The case is part of the larger wave of violence that erupted following the assassination of then-Prime Minister Indira Gandhi by her two Sikh bodyguards in retaliation for Operation Bluestar. "We will not accept anything less than the death penalty. We are not happy with the verdict of the court. We will appeal to the govt to go to a higher court and announce death penalty for Sajjan Kumar," Sikh leader Gurlad Singh said. The prosecution had earlier sought death penalty for Sajjan Kumar. In its written submission, the prosecution argued that the case was graver than the Nirbhaya gang rape and murder case, as it involved the deliberate targeting of an entire community. "The present case is more serious than the Nirbhaya case. In that case, a young woman was targeted, but here, people of a particular community were attacked," the prosecution said, emphasising that Kumar's crime falls under the "rarest of rare" category deserving of capital punishment. The prosecution contended that the killings were carried out in a brutal and diabolical manner, shocking the collective conscience of society. The case, they argued, was not just about individual murders but a crime against an entire community, amounting to genocide.The prosecution further stated that the riots led to large-scale migration of Sikhs, severely impacting their lives and livelihoods. They stressed that such incidents fracture trust between communities and disrupt social harmony. Kumar, who was a Member of Parliament at the time, was accused of not only failing to protect the victims but of actively participating in the violence, openly defying the rule of law

Stalin convenes all-party meet on March 5 to discuss Lok Sabha delimitation

Agency: Tamil Nadu Chief minister M K Stalin on Tuesday called all registered political parties for a meeting on March 5 in Chennai to discuss the impending issue of Lok Sabha seat delimitation. Speaking to reporters after a state cabinet meeting, Stalin said Tamil Nadu faced the threat of losing eight seats should the delimitation happen. "The state has successfully implemented the family planning programme which has led to population control," he said.

The ruling DMK had earlier in its Lok Sabha manifesto made the important political point on behalf of all southern states by pledging a status quo on Lok Sabha seats despite the next delimitation exercise, scheduled after the 18th Lok Sabha poll. Promising a population and caste survey every five years, the DMK manifesto said, "The successful implementation of Centre's family planning programme by Tamil Nadu led to a decrease in population, resulting in the reduction of parliamentary constituencies from 41 to 39 during the constituency delimitation in 1971. Based on the amended law in 2002, the Union Government decided to maintain the number of constituencies at the previous level due to the insistence of states and the number of constituencies remains the same ever since. The DMK assures that this status will continue during the upcoming constituency delimitation as well." ll these states, due to better population control, are slated to see only a marginal rise in Lok Sabha seats post the next delimitation with Kerala poised to seen a drop from current 20 seats, while UP estimated to see a rise from 80 to 128. The delimitation exercise which would alter Lok Sabha seats based on population growth is also bound to change the constitution of the Rajya Sabha.

"There is population based representation of states in the Rajya Sabha. The current constitutional provision is that there can be no delimitation till 2026 and that the exercise can only be undertaken after the 2031 Census. Southern states and even Punjab which took early steps at family planning are deeply concerned about their representation in the house after 2026 because their population is declining as against the northern and central states where the population is rising. How to reconcile this difference will be the biggest political challenge in the future," Congress leader Jairam Ramesh said.

The current constitutional position is that there would be no delimitation until the first Census after 2026. This position flows from the 84th amendment of the Constitution, passed when late Atal Bihari Vajpayee was leading the NDA government. However, nothing stops the government from amending the Constitution further to prepone the delimitation process to any time before 2026. Since the representation of states in the Rajya Sabha is based on their population, the next delimitation exercise would significantly alter the number of Upper House MPs from states that have reached replacement level of fertility, mainly south Indian states.

Preity Zinta vs Kerala Congress: Full-blown fight over bank's Rs 18 crore loan

Agency: Actor Preity Zinta dismissed reports of Rs 18 crore loan being waived off by a bank in return for favours to the BJP as "vile gossip". In a post on X, Preity Zinta said that the loan in question was "fully paid back" 10 years ago as she hit out at the Kerala Congress for spreading "fake news". Zinta was responding to a post by the Kerala Congress handle in which the party alleged that Preity Zinta had given "her social media accounts to BJP and got 18 Cr written off" from the New India Co-operative bank. "Depositors are on the streets for their money," the Kerala Congress said in its post, referring to the recent restrictions on withdrawals imposed by the RBI on the New India Co-operative Bank.

Responding to the post, Preity Zinta, in a strongly worded statement, said, "No I operate my social media accounts my self and shame on you for promoting FAKE NEWS ! No one wrote off anything or any loan for me. I'm shocked that a political party or their representative is promoting fake news & indulging in vile gossip & click baits using my name & images. For the record a loan was taken and FULLY PAID BACK - over 10 years ago. Hope this clarifies and helps so there are no misunderstandings in the future (sic)."

After Preity's reply, Congress thanked her for the clarification and said that the party was 'willing to accept mistakes if we have made any.' Congress also quoted the report which named Preity Zinta and how her load was 'waived off without following due procedures'. They expressed solidarity with the depositors who were affected by this. The report suggested that Preity Zinta's Rs 18 crore loan was allegedly 'written off' without following proper recovery procedures. The New India Co-operative Bank made headlines earlier this month after the Reserve Bank of India suspended deposit withdrawals for six months and ordered that no new loans be issued by the bank. The central bank's action came in response to supervisory concerns and the bank's weak liquidity position. This week, the RBI announced some relief for depositers of the bank allowing withdrawals of up to Rs 25,000 from February 27.

India's first hyperloop test track, Delhi to Jaipur in 30 minutes?

Agency: The Indian Institute of Technology Madras has unveiled India's first hyperloop test track, spanning 422 meters. This state-of-the-art facility, developed with support from the Ministry of Railways, aims to propel India into the next era of high-speed transportation. The hyperloop system envisions transporting passengers in pods through low-pressure tubes at speeds exceeding 1,000 km/h, potentially reducing travel time between Delhi and Jaipur to a mere 30 minutes. The project has garnered support from prominent industry players, including Larsen & Toubro (L&T) Construction, ArcelorMittal, and Hindalco Industries, who have contributed to the construction and development of the test track. Looking ahead, there are ambitious plans to extend this technology to create a hyperloop corridor between Chennai and Bengaluru, potentially covering the 350 km distance in just 15 minutes. The successful implementation of hyperloop technology could revolutionise India's transportation infrastructure, offering ultra-fast, efficient, and sustainable travel options. This advancement not only promises to enhance connectivity between major urban centres but also positions India at the forefront of innovative transportation solutions on the global stage.

Lawyers Fraternity Up in Arms Against *Advocates Bill*

✍Sagar Suraj

Lawyers protested the proposed Advocates (Amendment) Bill, which bans court boycotts, leading to strike sit-ins and procession. They boycotted court, disrupted court functioning abstaining court in East Champaran district on Tuesday Advocates under the aegis of East Champaran district bar association staged a protest in Motihari court premises against a proposed draft of amendment to the Advocates Act, 1961, prohibiting them from boycotting and abstaining from court work. The Bar Council of Bihar, has also given a call for statewide strike in all district courts and high court on February 25 against the recent draft of the Advocates (Amendment) Bill proposed by the Union law ministry that will prohibit advocates from going on strike. "Lawyers boycotted court and staged a protest in Motihari court premises, Also took out a protest march shouting slogans against government and proposed faulty advocate amendment bill" informed Rajeev Dwivedi aks Pappu Dubey, general secretary of district bar association. Dwivedi, who is also former co-chairman of state bar council, said that the bill proposes to take disciplinary action against any lawyer disrupting court functioning, even cancelling their license of practice, which is one of the most objectionable points in the bill among others. He said advocates across the nation will force the union law ministry to remove all points of the bill that attack our autonomy and professional freedom. President of district Bar association Sheshnarayan Kunwar hit hard at Center saying that "We are protesting present form of draft of advocate amendment bill. "We will protest this bill until our last breath. Who is the government to appoint its three members in the bar council? This is autonomous body of lawyers and government has nothing to do it', Notably,the Ministry, proposing to amend the Advocates Act by making sweeping changes in the definitions of what a legal practitioner and a law graduate mean, had put the draft The Advocates (Amendment) Bill, 2025, on its website for public feedback and comments. Senior advocate Rajeev Shankar Verma, said that draft Bill has already been withdrawn. The U-turn on the draft Bill came after the Bar Council of India (BCI) had written to Union Law Minister Arjun Ram Meghwal, stating that the proposed Bill seeks to undermine the "autonomy and independence of the Bar". Lawyer's fraternity should wait until the final form of the draft comes. "Present draft Bill are not accepted under any circumstances.

Rajeev Dwivedi, general secretary of the district bar association, expressed strong opposition to the bill, stating that it proposes disciplinary action against lawyers who disrupt court functioning, including cancellation of their license to practice.